राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात,संस्करण शुक्रवार,11फरवरी-2023 वर्ष-6,अंक-11 पृष्ठ-08 मूल्य-01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आधा होगा सफर, आसान होगी डगर; 6 राज्यों को जोड़ेगा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे

नई दिल्ली। दिल्ली से आर्थिक राजधानी मुंबई तक का सड़क के रास्ते सफर 24 घंटे का होता है, जो आने वाले दिनों में आधा ही रह जाएगा। दिल्ली से मुंबई तक का सफर महज 12 घंटे में ही तय हो सकेगा। फिलहाल पूरा स्ट्रेच तैयार किया जा रहा है, लेकिन इस बीच इसके पहले खंड का उद्घाटन होने वाला है। दिल्ली के करीब हरियाणा के सोहना से राजस्थान के दौसा तक इसके पहले खंड का उद्घाटन पीएम नरेंद्र मोदी 12 फरवरी को करने वाले हैं। सड़क परिवहन मंत्री नितिन गडकरी ने इस कार्यक्रम के बारे में ट्वीट कर जानकारी दी है। बीते कुछ सालों में यमुना एक्सप्रेसवे, पूर्वांचल एक्सप्रेसवे, बुंदेलखंड एक्सप्रेसवे, मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे जैसे अहम मार्ग तैयार किए गए हैं। इसके अलावा यूपी में गंगा एक्सप्रेसवे पर भी काम चल रहा है। इस कड़ी में सबसे बड़ा एक्सप्रेसवे मुंबई से दिल्ली को जोड़ने वाला है, जिसे नितिन गडकरी की सबसे महत्वाकांक्षी परियोजना माना जा रहा है। 1,390 किलोमीटर का यह एक्सप्रेसवे दिल्ली और मुंबई के बीच के सफर को आधा कर देगा। दूरी और समय कम होने के साथ ही यह पूरा रास्ता तमाम आधुनिक सुविधाओं से लैस भी होगा। यह एक्सप्रेसवे भारतमाला परियोजना के पहले चरण के तहत तैयार किया जा रहा है, जिसके तहत देश भर में हाईवेज के नेटवर्क को तैयार किया जा रहा है। भारतमाला परियोजना के तहत अहम शहरों को आपस में जोड़ने, सीमांत इलाकों में रोड नेटवर्क तैयार करने और सुदूर क्षेत्रों में भी इन्फ्रा मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है। भारतमाला के पहले चरण में कुल 24,800 किलोमीटर हाईवे का निर्माण किया जाना है। इस प्रोजेक्ट का अहम हिस्सा दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे है। इससे दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, मध्य प्रदेश और गुजरात भी आपस में जुड़ सकेंगे। शुरुआती दौर में कुल 8 ले एक्सप्रेसवे तैयार किया जाएगा।

सच हुआ आप का डर तो मुश्किल होगी केजरीवाल की राह, क्या है बीजेपी हार से जीत वाली चाह

नई दिल्ली। दो बार हंगामे और बवाल की वजह से टल चुके मेयर चुनाव की नई डेट आ चुकी है। 6 फरवरी को एक बार फिर आम आदमी पार्टी (आप) और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पार्षद दिल्ली के नए मेयर को चुनने के लिए सदन में एकत्रित होंगे। हालांकि, दोनों दलों के पार्षद जिस बात पर दो बार भिड़ चुके हैं, वह अब भी कायम है। यही वजह है कि 6 फरवरी को भी चुनाव हो पाएगा या नहीं, इस पर संशय के बादल बने हुए हैं।

एमसीडी के एकीकरण के बाद 250 वार्ड में हुए चुनाव में 'आप' ने 134 सीटों पर जीत हासिल की। 15 सालों तक एमसीडी की सत्ता पर काबिज रही भाजपा भले ही बहुमत हासिल नहीं कर पाई, लेकिन 104 सीटें जीतकर उसने आप के लिए राह आसान नहीं छोड़ी है। एमसीडी चुनाव से पहले केजरीवाल का दावा था कि बीजेपी 20 से कम सीटों पर सिमट जाएगी, लेकिन भगवा पार्टी ने 100 का आंकड़ा पार करके ना सिर्फ अपनी नाक बचाई, बल्कि आप के नाक में दम कर दिया है। बीजेपी ना सिर्फ मेयर का चुनाव जीतने का दावा कर रही है, बल्कि स्टैंडिंग कमिटी पर भी कब्जे की रणनीति बनाने में जुटी है।

कांग्रेस के बायकॉट के फैसले और एलजी की ओर से नामित 10 एल्डरमैन की वजह से स्टैंडिंग कमिटी मेंबर्स के चुनाव में भाजपा की दावेदारी काफी मजबूत नजर आ रही है। राजनीतिक जानकारों की मानें तो आप की सबसे बड़ी चिंता यह है कि यदि एमसीडी का पावर सेंटर कहे जाने वाले स्टैंडिंग कमिटी में भाजपा को बहुमत मिल जाता है तो उसे अपने हिसाब से काम करने में काफी दिक्कत होगी। दरअसल, दिल्ली नगर निगम के मुखिया भले ही मेयर होते हैं, लेकिन कामकाज की अधिकतर शक्तियां स्टैंडिंग कमिटी के पास होती है।

एमसीडी के एकीकरण के बाद 250 वार्ड में हुए चुनाव में 'आप' ने 134 सीटों पर जीत हासिल की। 15 सालों तक एमसीडी की सत्ता पर काबिज रही भाजपा भले ही बहुमत हासिल नहीं कर पाई, लेकिन 104 सीटें जीतकर उसने आप के लिए राह आसान नहीं छोड़ी है।

क्यों केजरीवाल सरकार के लिए भी मुश्किल हो सकती है राह?

दिल्ली बीजेपी के कुछ नेता भी दबी जुबान में यह कहते रहे हैं कि विधानसभा चुनाव जीतने के लिए एमसीडी की हार जरूरी है। उनका मानना है कि एमसीडी में लंबे समय से काबिज होने की वजह से नाली-गली जैसे मुद्दों पर भी पार्टी को विधानसभा चुनाव में खामियाजा उठाना पड़ा। वहीं, केजरीवाल की पार्टी को जनता को पेश आने वाली कई परेशानियां का ठीकरा भाजपा पर फोड़ने का मौका मिल जाता था। बीजेपी के ये नेता अब मानते हैं कि एमसीडी और दिल्ली सरकार में एक साथ सत्ता मिल जाने पर अब केजरीवाल सरकार को हर मुद्दे पर जवाब देना होगा। कूड़े के तीनों पहाड़ खत्म करने के साथ कई बड़े वादे करके चुनाव जीतकर आई आप को अगले विधानसभा चुनाव से पहले उन वादों को पूरा करना होगा, जोकि स्टैंडिंग कमिटी में बहुमत के बिना मुश्किल है। अगले एमसीडी चुनाव से पहले दिल्ली में लोकसभा और विधानसभा के चुनाव होंगे और दोनों में आप की परीक्षा होने वाली है।

बेंगलुरू में कार पर सीमेंट मिक्सर ट्रक गिरने से दर्दनाक हादसा, मौके पर ही मां-बेटी की हुई मौत

बेंगलुरू। बेंगलुरु की बन्नेरघट्टा रोड पर दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। जिसमें एक महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर और उसकी बेटी की मौत हो गई। बन्नेरघट्टा रोड पर एक सीमेंट मिक्सर ट्रक गुजर रहा था। उसी दौरान 47 साल की सॉफ्टवेयर इंजीनियर गायत्री कुमार और उसकी 15 साल की बेटी समता कुमार जा रहे थे। पुलिस के मुताबिक यह दुर्घटना कागलीपुरा बन्नेरघट्टा रोड पर ब्यालमारा डोड्डी में सुबह करीब 7-35 बजे हुई है जब गायत्री अपनी बेटी को स्कूल छोड़ने के लिए हुंडई वेन्यू कार से जा रही थी। कार और सीमेंट मिक्सर ट्रक एक दूसरे के बगल में बसवनपुरा की ओर जा रहे थे। मोड़ पर पहुंचने के दौरान ट्रक चालक ने ब्रेक लगाया और वाहन से नियंत्रण खो बैठा था। जिसके बाद ट्रक बाय और गिर गया और कार में सवार दोनों लोग उसकी चपेट में आ गए। उन दोनों की तुरंत मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रक ड्राइवर घटनास्थल पर ही ट्रक छोड़कर मौके से फरार हो गया था। गायत्री कुमार और उसकी 15 साल की बेटी समता कुमार कॉनकॉर्ड घाटी के रहने वाली हैं।

आईटी फर्म में काम करती थी गायत्री

गायत्री कुमारी एक निजी आईटी फर्म में काम करती थी। तो वहीं उनकी बेटी बन्नेरघट्टा मेन रोड के बसवनपुरा स्थित शेरवुड हाई स्कूल में दसवीं क्लास की छात्रा थी। गायत्री के पति सुनील कुमार ने बन्नेरघट्टा पुलिस थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। सुनील ने कहा कि उनके कार में एक ब्लूलिंक्स सॉफ्टवेयर फिटेड है जिसके माध्यम से उन्हें 7:49 पर ऑटो क्रेश होने का नोटिफिकेशन मिला है।

अधिकारियों पर उठे सवाल-देखते ही देखते इस हादसे की तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। जिसके बाद नेटीजेंस ने अधिकारियों को सवालों के घेरे में खड़ा कर दिया। उन्होंने सड़क की स्थिति और भारी वाहनों के घूमने के तरीके पर सवाल उठाया। पुलिस ने सूचना मिलने पर शिकायत दर्ज कर ली है। उन्होंने ट्रक के मालिक का पता लगा लिया है और वह ड्राइवर को ढूंढने में जुटी हुई है।

'निवेशकों का हित सर्वोपरि है, बाकी सब कुछ गौण', 20,000 करोड़ का FPO वापस लेने के बाद गौतम अदाणी का बयान

नई दिल्ली। अदाणी एंटरप्राइजेज ने बुधवार रात को अपने 20 हजार करोड़ रुपये के एफपीओ को वापस लेने का एलान किया। इसी के साथ समूह की तरफ से निवेशकों का पैसा लौटाने की घोषणा भी की गई। अब इस एलान को लेकर गौतम अदाणी खुद वीडियो संदेश में दिखाई दिए हैं। गौतम अदाणी ने अपने बयान में कहा है कि पूरी तरह से सब्सक्राइब्ड एफपीओ के बाद कल इसे वापस लेने के फैसले ने कई लोगों को चौंका दिया होगा। लेकिन कल देखे गए बाजार के उतार-चढ़ाव को देखते हुए बोर्ड ने दृढ़ता से महसूस किया कि एफपीओ के साथ आगे बढ़ना नैतिक रूप से सही नहीं होगा। उन्होंने आगे कहा, उद्यमी के रूप में 4 दशकों से अधिक की मेरी

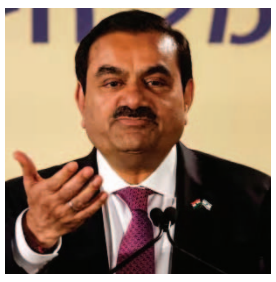

विनम्र यात्रा में मुझे सभी हितधारकों विशेष रूप से निवेशक समुदाय से भारी समर्थन प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। मेरे लिए यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि मैंने जीवन में जो कुछ भी थोड़ा बहुत हासिल किया है, वह उनके विश्वास और भरोसे के कारण है। मैं अपनी सारी सफलता का श्रेय उन्हीं को देता हूं।

निवेशकों का हित सर्वोपरि

गौतम अदाणी ने कहा, मेरे लिए मेरे निवेशकों का हित सर्वोपरि है और सब कुछ गौण है। इसलिए निवेशकों को संभावित नुकसान से बचाने के लिए हमने एफपीओ वापस ले लिया है। इस निर्णय का हमारे मौजूदा परिचालनों और भविष्य की योजनाओं पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। हम परियोजनाओं के समय पर क्रियान्वयन और डिलीवरी पर ध्यान देना जारी रखेंगे।

हमारी बैलेंस शीट मजबूत

हमारी कंपनी के फंडामेंटल मजबूत हैं। हमारी बैलेंस शीट मजबूत है और संपत्ति मजबूत है। हमारा एबिट्डा स्तर और नकदी प्रवाह बहुत मजबूत रहा है और हमारे पास अपने ऋण दायित्वों को पूरा करने का एक त्रुटिहीन ट्रैक रिकॉर्ड है। हम दीर्घकालिक मूल्य निर्माण पर ध्यान केंद्रित करना जारी रखेंगे और विकास आंतरिक संसाधनों द्वारा प्रबंधित किया जाएगा। बाजार में स्थिरता आने के बाद हम अपनी पूंजी बाजार रणनीति की समीक्षा करेंगे। उन्होंने आगे कहा, हमारा ईएसजी पर खासा फोकस है और हमारा हर बिजनेस जिम्मेदार तरीके से वैल्यू क्रिएट करता रहेगा। हमारे शासन के सिद्धांतों का सबसे मजबूत सत्यापन, कई अंतरराष्ट्रीय साझेदारियों से आता है, जिन्हें हमने अपनी विभिन्न संस्थाओं में बनाया है। उन्होंने कहा, मैं इस अवसर पर एफपीओ को बेधड़क समर्थन देने के लिए देश के भीतर और बाहर के हमारे निवेश बैंकरों, संस्थागत निवेशकों और शेयरधारकों को धन्यवाद देता हूं।

तलाक के लिए कोर्ट जाएं मुस्लिम महिलाएं, शरीयत परिषद अदालत नहीं- मद्रास हाईकोर्ट

चेन्नई। मद्रास हाईकोर्ट ने मुस्लिम महिलाओं की तलाक प्रक्रिया खुला को लेकर अहम फैसला सुनाया है। हाईकोर्ट ने कहा कि मुस्लिम महिलाएं इसके लिए फैमिली कोर्ट जा सकती हैं। वे शरीयत जैसे निकायों में जाने के लिए बाध्य नहीं हैं। कोर्ट ने अपनी टिप्पणी में ये भी कहा कि शरीयत जैसी निजी संस्था खुला के जरिए शादी खत्म करने की ना तो घोषणा कर सकती है और ना ही इसे प्रमाणित कर सकती है।

कोर्ट ने आगे कहा, वे विवादों की अदालतें या मध्यस्थ नहीं हैं। अदालतें भी इस तरह की प्रथा से भड़क गई हैं। निजी संस्थाओं द्वारा तलाक को लेकर जारी सर्टिफिकेट अमान्य है।

क्या है मामला?

दरअसल, तमिलनाडु के रहने वाले तौहीद जमात ने शरीयत परिषद की ओर से जारी अपनी पत्नी को खुला सर्टिफिकेट के खिलाफ हाईकोर्ट में याचिका दायर की थी। रिट याचिका पर फैसला सुनाते हुए जस्टिस सी सरवनन ने शरीयत परिषद द्वारा 2017 में जारी किए गए प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया।

हाईकोर्ट ने अपने फैसले में 2017 के बदर सईद बनाम भारत सरकार केस का भी जिक्र किया। तब हाईकोर्ट ने काजियों द्वारा खुला सर्टिफिकेट जारी करने से रोक लगा दी थी।

क्या है खुला प्रक्रिया?

खुला प्रक्रिया के तहत मुस्लिम महिलाएं अपने पति से तलाक ले सकती है। खुला के जरिए पत्नी तलाक लेती है। इसमें दोनों की सहमति होनी चाहिए। इस प्रकिया के तहत पत्नी को कुछ संपत्ति पति को वापस करनी होती है।

कर्नाटक हाईकोर्ट की राज्य सरकार को फटकार, कहा- सरकारी स्कूल के बच्चों को दो जोड़ी यूनिफॉर्म भी नहीं मिल रही, शर्म करें

बेंगलुरु। कर्नाटक हाई कोर्ट ने सरकारी स्कूलों में बच्चों को यूनिफॉर्म मुहैया न कर पाने को लेकर राज्य सरकार को फटकार लगाई है। हाईकोर्ट ने कहा कि सरकार को इस बात पर शर्म आनी चाहिए। दरअसल, कर्नाटक हाई कोर्ट में जस्टिस बी वीरप्पा और केएस हेमलेखा की पीठ ने 2019 में इस संबंध में एक आदेश दिया था। सरकार ने इस आदेश का पालन नहीं किया, जिसके चलते एक याचिकाकर्ता ने कोर्ट में याचिका दाखिल की।

इस याचिका में कहा गया कि शिक्षा के अधिकार अधिनियम, 2009 के तहत छात्रों को यूनिफॉर्म के दो सेट दिए जाने चाहिए। लेकिन कर्नाटक के कई सरकारी स्कूलों में छात्रों को दो जोड़ी यूनिफॉर्म,

जूते और मोजे नहीं मिल पाए हैं।

कोर्ट ने कहा- बच्चों के साथ खिलवाड़ कोर्ट के साथ खिलवाड़ है

न्यायमूर्ति वीरप्पा ने कहा, 'इस तरह की चूक सरकार के लिए शर्म की बात है। बच्चों के साथ खिलवाड़ करना कोर्ट के साथ खिलवाड़ करना है। फालतू चीजों पर तो करोड़ों रुपए खर्च किए जा रहे हैं। जबकि शिक्षा मौलिक अधिकार है, फिर भी ऐसी दुर्दशा। इन बातों को हम बर्दाश्त नहीं करेंगे। क्या यह राज्य सरकार के लिए शर्म की बात नहीं है? यह काफी दुर्भाग्यपूर्ण है।'

राज्य सरकार ने बारे में एक हलफनामा दायर करके कहा था कि यूनिफॉर्म, मोजे और जूते की खरीद के लिए स्कूलों के प्रिंसिपलों और हेडमास्टरों को राशि भेज दी गई थी। इस पर कोर्ट ने कहा कि भगवान ही जानता है कि ये राशि लाभार्थियों तक पहुंची है या नहीं।

पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि अब समय आ गया है कि राज्य अपनी आंखें खोले और सरकारी स्कूल के 6 से 14 वर्ष की आयु के छात्रों को स्कूल यूनिफॉर्म प्रदान करने के अपने मौलिक कर्तव्य को जल्द लागू करे।

नेताओं-अफसरों के बच्चे सरकारी स्कूल में नहीं जाते-कोर्ट

अदालत ने निजी स्कूलों में जाने का खर्च वहन करने वाले छात्रों की तुलना में सरकारी स्कूल के छात्रों के साथ होने वाले स्पष्ट सौतेले व्यवहार पर भी नाराजगी जताई। जस्टिस वीरप्पा ने कहा कि अगर कुर्सियों पर बैठे लोगों में मानवता नहीं है, तो यह एक बड़ी समस्या है। उनमें मानवता होनी चाहिए। उनके बच्चे कभी सरकारी स्कूलों में नहीं जाते। हम बच्चों के प्रति इस तरह का सौतेला रवैया बिलकुल बर्दाश्त नहीं करेंगे। सरकार ने कोर्ट से विस्तृत हलफनामा दायर करने के लिए वक्त मांगा, इस पर कोर्ट ने मंजूरी देते हुए कहा कि राज्य को और समय दिया गया है, ताकि जिम्मेदार अधिकारी पर आरोप तय हो सकें।

सिर्फ यात्रा निकालने से नहीं चलेगा काम, कांग्रेस को हासिल करने होंगे वोट-रामचंद्र गुहा

नई दिल्ली। कांग्रेस की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर मशहूर इतिहासकार रामचंद्र गुहा ने कहा है कि सिर्फ इससे मकसद पूरा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को यदि लोकतंत्र को मजबूत करना है तो केवल मार्च निकालने से कुछ नहीं होगा बल्कि वोट भी हासिल करने होंगे। उन्होंने कहा कि देश में स्वस्थ लोकतंत्र को फिर से जिंदा करने के लिए कांग्रेस को मजबूत बनाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह केवल मार्च निकालकर नहीं बल्कि मत हासिल करके होगा। गुहा ने यहां अपनी पुस्तक 'इंडिया आफ्टर गांधी' के तीसरे संस्करण के विमोचन के अवसर पर कहा, 'स्वस्थ लोकतंत्र, जिसमें कोई एक पार्टी विपक्ष को न चलाए, जैसा कि भारत ने 1970 के दशक के अंत से 2014 तक देखा है। अपनी बात को पुष्ट करने के लिए गुहा ने कहा कि अन्य सभी दलों के बीच वह कांग्रेस ही थी, जिसने 2019 के लोकसभा चुनावों में भाजपा को 191 सीट पर आमने-सामने टक्कर दी थी। रामचंद्र गुहा ने कहा कि कांग्रेस को प्रभाव को हम इससे समझ सकते हैं कि देश के 8 से 12 राज्यों में वह पहले या दूसरे नंबर की पार्टी है। गुहा ने कहा कि 2024 के आम

चुनाव में भी ऐसा ही होगा। उन्होंने कहा कि जेडीयू, आम आदमी पार्टी, डीएमके और टीएमसी जैसे दल भाजपा के मुकाबले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान, उत्तराखंड, कर्नाटक और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों में नहीं हैं।

क्या एनसीपी, शिवसेना जैसे दलों से कांग्रेस को मिलेगा फायदा

गुहा ने कहा कि 2019 में 191 सीटों पर कांग्रेस ने भाजपा को टक्कर दी थी, जिनमें से 16 पर ही उसे जीत मिली थी। इस तरह की उसकी सफलता की दर महज 8 फीसदी ही थी। यदि गठबंधन दलों की ओर से उसे साथ मिला होता तो फिर कांग्रेस जीत सकती थी। लेकिन कांग्रेस अकेले ही लड़ती दिखी थी। उन्होने कहा कि इस बार कांग्रेस को बिहार में आरजेडी और जेडीयू का साथ मिल सकता है। महाराष्ट्र में एनसीपी और शिवसेना साथ आ सकते हैं। तमिलनाडु में डीएमके का समर्थन मिल सकता है। लेकिन अंत में खुद कांग्रेस को ही मजबूत होना होगा ताकि भाजपा को टक्कर दे सके।

राहुली की इमेज एक सक्षम नेता की नहीं, पर भले आदमी

राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा को लेकर गुहा ने कहा कि सिर्फ मार्च निकालने से ही लक्ष्य हासिल नहीं होगा। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को जिंदा करने के लिए जरूरी है कि वोट भी हासिल किए जाएं। उन्होंने कहा कि बहुत कुछ इसी बात पर निर्भर करता है कि वे कैसे खुद को पुनर्जीवित करते हैं, लेकिन ऐसा सिर्फ मार्च निकालकर संभव नहीं होगा। इसके लिए वोट भी चाहिए। राहुल की छवि को लेकर गुहा ने कहा कि वह भले आदमी हैं, लेकिन एक सक्षम नेता की इमेज नहीं बना पाए हैं।

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

बजट काफी अच्छा है लेकिन....

(लेखक – डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

कोई सरकार कैसा भी बजट पेश करे विरोधी दल उसकी आलोचना न करें यह संभव ही नहीं है। विरोधी दलों की आलोचनाएं हमेशा असंगत होती हैं ऐसा भी नहीं है। वे कई बार सरकार और संसद को नई दिशा भी दे देती हैं। इस बार भी कुछ विरोधी दलों ने इस बजट को किसान और मजदूर–विरोधी बताया है और सरकार से पूछा है कि उसने अपना खर्च इतना ज्यादा बढ़ा लिया है तो वह पैसा कहां से लाएगी? लेकिन सरकार के इस बजट की ज्यादातर वित्तीय विशेषज्ञ तारीफ कर रहे हैं। वे वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के द्वारा अब तक पेश किए गए बजटों में इसे सर्वश्रेष्ठ बता रहे हैं। किसी भी सरकार से यह उम्मीद करना कि वह अपने बजट का इस्तेमाल करते समय अपने वोट–बैंक पर ध्यान नहीं देगी गलत है। चुनावों से चुनी जानेवाली कोई भी सरकार अपने हर कदम को सबसे पहले वोट बैंक की तराजू पर तोलती है। इस दृष्टि से यह बजट काफी सफल रहा है। क्योंकि यह देश के लगभग 45 करोड़ मध्यम वर्गों के लोगों को काफी राहत दे रहा है। आयकर से 7 लाख तक की आमदनी को मुक्त कर देना अपने आप में सराहनीय कदम है। यदि लोगों के पास पैसा ज्यादा बचेगा तो वे खर्च भी ज्यादा कर सकेंगे। इससे बाजारों में चुस्ती पैदा होगी। अर्थव्यवस्था अपने आप मजबूत होगी। जनसंघ और भाजपा के अनुयायियों में मध्यम वर्ग के लोग ही ज्यादा रहे हैं। ये लोग सुशिक्षित और प्रभावशाली भी हैं। पत्रकारिता और अन्य महत्वपूर्ण क्षेत्रों में इस वर्ग की पकड़ काफी मजबूत है। इसके अलावा इस बजट में बुर्जुर्गों महिलाओं आदिवासियों और कमजोर वर्गों के लिए भी तरह–तरह की सुविधाएं प्रदान की गई हैं। देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन की घोषणा पहले ही हो चुकी है। किसानों को इस साल 20 लाख करोड़ रु. का ऋण दिया जाएगा। बच्चों में एनीमिया (रक्ताल्पता) की कमी को दूर करने के लिए सरकार इस बार ज्यादा खर्च करेगी। नए हवाई अड्डे तो बनेंगे ही लेकिन रेल–प्रबंध भी बेहतर बनाया जाएगा। नितीन गडकरी की देखरेख में सड़क–निर्माण कार्य तेजी से हो ही रहा है। डिजिटल लेन–देन में यो भी भारत दुनिया के देशों में अग्रगण्य है लेकिन उसे अब अधिक बढ़ाया जाएगा। ऐसी कई पहल इस बजट में हैं लेकिन शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में जो क्रांतिकारी पहल भारत को करना चाहिए उसके संकेत बहुत हल्के हैं। किसी भी राष्ट्र को सुखी और संपन्न बनाने के लिए इन दोनों मुद्दों पर जोर देना बहुत जरूरी है। शोध और शिक्षा का माध्यम जब तक भारतीय भाषाओं में नहीं होगा और चिकित्सा में पारंपरिक भारतीय पद्धतियों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष बजट नहीं बनेगा भारत की प्रगति की रफ्तार तेज नहीं हो पाएगी।

आम आदमी की उम्मीदों पर खरा उतरता बजट

।। जान लें कि ये वो दिन थे जब जन सत्ता को जेहादी पत्रकारिता करने के लिए ख्याति मिली हुई थी। यह बात और है कि उन्हीं दिनों कोलकाता से स्वर्गीय सुरेंद्र प्रताप सिंह के संपादन में हिंदी में रविवार और अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त पत्रकार और बाद में एक बार भाजपा सरकार में विदेश राज्य मंत्री बने एम जे अकबर के संपादन में निकलने वाली सडे मैगजीन कई सरकारों केंद्रीय मंत्रियों अफसरों और रसूखदारों को हिलाया डूलाया था।

(बजट विश्लेषण/लेखक– योगेश कुमार गोयल)

– चुनावी चाशनी में डूबा संतुलित बजट

सबसे लंबा बजट भाषण देने परम्परा में बदलाव और पेपरलेस बजट जैसे कई रिकॉर्ड कायम करने के बाद वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण ने वित्त वर्ष 2023–24 के लिए एक फरवरी को अपना पांचवां आम बजट पेश किया। यह बजट मोदी सरकार का 11वां और केन्द्र सरकार के मौजूदा कार्यकाल का पांचवां बजट था। इस बजट पर पूरे देश की नजरें केन्द्रित थी क्योंकि आम आदमी को इस बजट से ढ़ेर सारी उम्मीदें थी। दरअसल माना जा रहा था कि इस वर्ष होने जा रहे कई विधानसभा चुनावों के साथ–साथ अगले वर्ष लोकसभा चुनाव के मद्देनजर बजट में आम जनता के लिए राहतों का पिटारा खोला जाएगा और ये उम्मीदें बेकार भी नहीं गई। सरकार ने 45 लाख करोड़ रुपये के खर्च का जो बजट प्रस्तुत किया है उसमें सरकार की पावतियां केवल 23.3 लाख करोड़ रुपये की ही होंगी और इस भारी–भरकम घाटे को पूरा करने के लिए सरकार विनिवेश के जरिये करीब 51 हजार करोड़ रुपये की धनराशि जुटाएगी जबकि उसे 15 लाख करोड़ रुपये से भी ज्यादा के बाजार से ऋण लेने पड़ेंगे। बाकी की कमी को लघु बचतों के जरिये पूरा करने का प्रयास किया जाएगा। बजट के प्रावधानों को देखते हुए प्रतीत होता है कि सकल विकास वृद्धि में बढ़ोतरी के लिए करीब 10 लाख करोड़ रुपये की धनराशि पूंजीगत खाते से खर्च करके सरकार देशभर में रोजगार के अवसर बढ़ाने के साथ–साथ औद्योगिक उत्पादन को भी बढ़ावा देना चाहती है। छोटे और मध्यम उद्योगों को शुल्क ढ़ांचे में रियायतें प्रदान कर सरकार यह भी सुनिश्चित करना चाहती है कि अपने उत्पादन को बढ़ाने के साथ–साथ यह क्षेत्र रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हुए देश की अर्थव्यवस्था की मजबूती में भी सहभागी बने। इस बार के केन्द्रीय बजट में विभिन्न क्षेत्रों को लेकर कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं जिनमें सबसे महत्वपूर्ण आम जनता को आयकर दरों में राहत दिया जाना है। दरअसल बहुत लंबे समय से आयकरों दरों में बदलाव की मांग की जा रही थी। नई कर व्यवस्था में आयकर सीमा में छूट को पांच लाख से बढ़ाकर सात लाख किए जाने से न केवल छोटे करदाताओं को बहुत बड़ी राहत मिलनी तय है वहीं इससे मिशन 2024 मोड में जुटी भाजपा को सीधा फायदा मिलेगा। हालांकि पुरानी कर व्यवस्था भी लागू रहेगी जिसके तहत अभी भी 80सी पीएफ आवासीय कर्ज के मूलधन और ब्याज के भुगतान इत्यादि पर छूट हासिल की जा सकती है जो नई कर व्यवस्था में नहीं मिलेगी लेकिन इस छूट के बगैर भी सात लाख तक की आय का करमुक्त होना करोड़ों करदाताओं को सीधे तौर पर लाभान्वित करेगा। इस वर्ष से इस नई कर व्यवस्था को डिफॉल्ट व्यवस्था बना दिया गया है। दरअसल करदाताओं को पुरानी कर व्यवस्था से नई कर व्यवस्था को अपनाने के लिए प्रेरित करना सरकार के लिए बड़ी चुनौती रही क्योंकि तमाम अपीलों के बावजूद अधिकांश लोगों ने इसे नहीं अपनाया था।

बजट में महिलाओं और बुजुर्गों का भी खास ध्यान रखने का प्रयास किया गया है। वरिष्ठ नागरिकों की बचत सीमा को 15 लाख से बढ़ाकर 30 लाख रुपये करने गैर सरकारी सेवानिवृत्त कर्मचारियों के अवकाश नकदीकरण पर मिलने वाली छूट को 3 लाख से बढ़ाकर 25 लाख रुपये करने की घोषणा महिला सम्मान सेविंग सर्टिफिकेट की घोषणा इत्यादि सियासी दृष्टिकोण से भाजपा के प्रति सकारात्मक माहौल में वृद्धि करने में सहायक साबित हो सकती हैं। बजट में कई ऐसे महत्वपूर्ण निर्णय हैं जो स्पष्ट तौर पर इस बार के बजट में भाजपा सरकार की ओर से राजनीतिक संदेश देते प्रतीत होते हैं। देश के 80 करोड़ लोगों को जनवरी 2024 तक मुफ्त अनाज योजना भाजपा की सबसे महत्वाकांक्षी योजना है जो 2022 के विधानसभा चुनावों में भी उसके लिए कुछ राज्यों में गेमचेंजर साबित हो चुकी है और विरोधी भी मानते रहे हैं कि भाजपा को इस योजना का बड़ा सियासी लाभ मिलता रहा है। गरीबों के लिए चलाई जा रही इस योजना के अलावा आवास योजना पेयजल योजना और आयुष्मान भारत स्वास्थ्य योजना इत्यादि के आवंटन में बड़ी वृद्धि आदिवासियों के लिए 15 हजार करोड़ की नई योजना व्यक्तिगत करदाताओं के लिए नई कर व्यवस्था इत्यादि कई ऐसी घोषणाएं हैं जो देश के निम्न और मध्यम आय के लोगों को भी आकर्षित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। प्रधानममंत्री आवास योजना तो मोदी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक है जिसके लिए 2022–23 के बजट में 48 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया था लेकिन इस बार के बजट में उसे 66 फीसदी बढ़ाकर सरकार ने इस योजना के लिए 79500 करोड़ रुपये आवंटित करने की घोषणा की है। इस योजना के तहत 2024 तक करीब 2.94 करोड़ गरीब लोगों को घर मुहैया कराने का लक्ष्य रखा गया है। वैसे सरकारी आंकड़ों के मुताबिक 2.94 करोड़ में से 2.12 करोड़ घरों का निर्माण पूरा हो चुका है और ये घर गरीबों को सौंपे भी जा चुके हैं।

जनजातीय समूहों की सामाजिक–आर्थिक स्थिति सुधारने और उनके निवास स्थल को बुनियादी सुविधाओं से युक्त बनाने के लिए 'प्रधानमंत्री विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह' (पीएमपीवीटीजी) विकास मिशन की घोषणा करते हुए इसके लिए 15 हजार करोड़ रुपये का खाका पेश किया गया है। ऐसे में अनुसूचित जातियों–जनजातियों वाले मतदाता क्षेत्रों पर भी विशेष ध्यान दिए जाने की झलक बजट में नजर आ रही है। आयुष्मान भारत स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत अभी तक देशभर में करीब साढ़े चार करोड़ गरीब लोग मुफ्त इलाज की सुविधा का लाभ उठा चुके हैं। इस योजना में आवंटन को पिछले साल के 6457 करोड़ रुपये के बजट से बढ़ाकर 7200 करोड़ कर दिया गया है। इस वित्त वर्ष में प्रधानमंत्री किसान सम्मान के लिए 60 हजार करोड़ रुपये का आवंटन किया जा चुका है और पीएम–किसान के तहत 11.4 करोड़ किसानों को अभी तक 2.2 लाख करोड़ रुपये का नकद हस्तांतरण भी किया जा चुका है। जल जीवन मिशन के लिए बजट को पिछले साल की तुलना में 60 हजार करोड़ से बढ़ाकर 70 हजार करोड़ रुपये किया गया है जिसके तहत 2024 तक देश के सभी 20 करोड़ परिवारों तक पीने का साफ पानी पहुंचाने का लक्ष्य रखा गया है। सरकार के मुताबिक 2019 तक केवल तीन करोड़ परिवारों को ही पीने का साफ पानी उपलब्ध था लेकिन जल जीवन मिशन के तहत अभी तक करीब 11 हजार करोड़ परिवारों लोगों को पीने का साफ पानी मुहैया कराया जा चुका है। 'स्किल इंडिया मिशन' के तहत बजट में डिजिटल प्लेटफार्म की घोषणा की गई है। डिजिटल प्लेटफार्म के जरिये उद्यम और रोजगार की ट्रेनिंग देने नियोक्ताओं तक युवाओं की सीधी पहुंच बढ़ाने को लेकर इस प्लेटफार्म के जरिये होने वाला कार्य लाखों युवाओं के बीच भाजपा के प्रति समर्थन बढ़ाने में सहायक हो सकता है। देशभर में इस योजना के विस्तार की घोषणा के मद्देनजर डिजिटल प्लेटफार्म से बड़ी संख्या में युवा लाभान्वित हो सकते हैं। इसके अलावा डिजिटल लाइब्रेरी के साथ शिक्षकों की ट्रेनिंग की घोषणा भी सरकार के प्रति युवाओं में सकारात्मक माहौल बनाने में मददगार हो सकती है।

आज का राशिफल

मेष – प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें, चोरी या खोने की आशंका है।

वृषभ – व्यावसायिक योजना को बल मिलेगा। राजनैतिक दिशा में किए गए प्रयास सफल होंगे। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। प्रणय संबंध मधुर होंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन – जीवनसाथी का स्वास्थ्य प्रभावित हो सकता है। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप की संभावना है। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। खान–पान में संयम रखें। संतान के संबंध में चिंतित रहेंगे।

कर्क – प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कुटुम्बजनों का सहयोग मिलेगा। धन हानि के योग हैं।

सिंह – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी।

कन्या – आर्थिक योजना फलीभूत होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। नए अनुबंध प्राप्त होंगे। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। रुपए पैसे के लेन देन में सावधानी अपेक्षित है। स्थानान्तरण व परिवर्तन की दिशा में सफलता मिलेगी। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा।

वृश्चिक – शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। धन, सम्मान, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। वाणी की सौम्यता से व्यावसायिक प्रयास फलीभूत होंगे। नए अनुबंध प्राप्त होंगे।

धनु – व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है।

मकर – शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे। मनोरंजन के भरपूर अवसर प्राप्त होंगे। धन लाभ के योग हैं।

कुम्भ – पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। किसी का वाणी के स्तर पर उत्पीड़न न करें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा।

मीन – जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं। धन, सम्मान, यश, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

बदले राहुल कितनी संजीवनी साबित होंगे!

(लेखक–ऋतुपर्ण दवे)

जहां राहुल गांधी की भारत जोड़ो पदयात्रा खत्म होते ही नई सियासत भी शुरू हो गई। हां राहुल की व्यक्तिगत छवि में निश्चित रूप से काफी सुधार आया है। लेकिन कांग्रेस को कितना फायदा होगा कहना जल्दबाजी होगी? उनकी जहां गंभीर छवि दिखी वहीं भावुक और संवेदनशील तस्वीरों वीडियो ने सबका ध्यान खींचा। कड़ाके ठण्ड में केवल एक टी शर्ट में उनकी यात्रा ने सभी का ध्यान खींचा। हो सकता है कि संयोग हो जो ठण्ड के पहले वो भी दक्षिण से शुरू यात्रा में टी शर्ट वहां अनुकूल रहा हो। लेकिन प्रतिकूल मौसम आने पर इतना उछला या उछाला जो मजबूरी कहें या जिद जुनून बन गया। जिससे पूरी यात्रा टी शर्ट में ही काट एक अलग उदाहरण पेश हुआ। कहने की जरूरत नहीं अब दूसरों की यात्राओं में भी राहुल के हाफ टी शर्ट पर चर्चा तो होगी। बीते बरस 7 सितंबर को कन्याकुमारी से हुई केरल कर्नाटक आंध्रप्रदेश तेलंगाना महाराष्ट्र मध्य प्रदेश राजस्थान हरियाणा दिल्ली पंजाब उत्तर प्रदेश होते हुए जम्मू–कश्मीर पहुंच समाप्त हुई। इसी दौरान गुजरात और हिमाचल में चुनाव के बावजूद वहां न पहुंचने पर यात्रा का उद्देश्य राजनीतिक प्रचार के बजाय सांस्कृतिक और सामाजिक जागरूकता फैलाना कह सवाल उठाने वालों को जवाब दिया गया। लेकिन अब क्या होना है सब जानते हैं। 145 दिनों में 12 राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों से होकर करीब 4080 किलोमीटर की दूरी तय कर यात्रा जब जम्मू–कश्मीर पहुंची तो जबरदस्त बर्फबारी के बीच पहले से तय 30 जनवरी को राहुल ने अपने समापन भाषण से फिर अपनी गंभीर छवि दिखाने में जरा सी भी चूक नहीं की। कन्याकुमारी से जारी अपनी यात्रा को अलग तथा सत्ता–सरकार चलाने वालों को चुनौती देते हुए खुद को कश्मीर से जोड़ते हुए उत्तर प्रदेश तक ले जाने का प्रयास आगे कितना कारगर होगा यह वक्त बताएगा? लेकिन राहुल का आत्मविश्वास बेहद बढ़ा हुआ है। अब कांग्रेस कितना फायदा ले पाएगी यह कयास लगाना भी थोड़ी जल्दबाजी होगी। राहुल गांधी की पहली यात्रा तो समाप्त हो गई। लेकिन जुलाई से दूसरी यात्रा की तैयारियां भाजपा के लिए कैसी चुनौती बनेगी अभी नहीं समझ आ रहा है। यह यात्रा गुजरात से पूर्वोत्तर यानी सोमनाथ से शिलॉन्ग तक जाएगी। नई यात्रा कितने दिन की होगी कहां–कहां से गुजरेगी अभी ज्यादा साफ नहीं है। इधर 2023 में मध्य प्रदेश कर्नाटक त्रिपुरा में भाजपा तो राजस्थान छत्तीसगढ़ में कॉंग्रेस तेलंगाना में तेलंगाना राष्ट्र समिति यानी टीआरएस मेघालय में मेघालय डेमोक्रेटिक एलायंस यानी एमडीए नागालैंड में अनोखी बिना विपक्ष की सरकार तो मिजोरम में मिजो नेशनल फ्रंट की सरकारें है। ऐसे में जहाँ दलों को स्पष्ट बहुमत है वहां चुनौती बड़ी है लेकिन जहाँ गठबंधन की सरकारें हैं वहाँ और भी बड़ी चुनौती होगी।

फिलाहाल चंद दिनों में पूर्वोत्तर में त्रिपुरा मेघालय और नगालैंड के चुनाव होने हैं। ऐसा नहीं है कि यहां कभी कांग्रेस का बोलबाला नहीं था। लेकिन अब कांग्रेस के लिए वजूद बचाने और बढ़ाने की चुनौती है। निश्चित रूप से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ही हैं लेकिन पार्टी के असल सुपर स्टार तो राहुल हैं। वो पूर्वोत्तर में अब कैसा प्रभाव दिखा पायेंग और वजूद को बचाने तथा नई जमीन की तैयारी में जुटी कांग्रेस को कितना फायदा दे पाएंगे देखना होगा। भारत में ऐसी राजनीतिक यात्राओं का महत्व पहले कई मौकों पर दिख चुका है। देश में यूं तो स्वतंत्रता खातिर कई यादगार यात्राओं ने फिजा बदली। लेकिन मौजूदा राजनीतिक घटनाक्रम के मद्देनजर बीते तीन दशकों की यात्राएं अलग थीं। 1990 में लाल कृष्ण आडवाणी की रथयात्रा सभी को याद है। गुजरात के सोमनाथ मंदिर से शुरू हुई आडवाणी जी की रथयात्रा भले ही अपने पड़ाव तक नहीं पहुंची और बिहार के समस्तीपुर में तत्कालीन मुख्यमंत्री लालू यादव ने गिरफ्तार करवा लिया। इससे यात्रा तो रुकी लेकिन भाजपा को जबरदस्त ताकत मिली और राम मंदिर आन्दोलन भी उफान पर आ गया। दोबारा आडवाणी जी ने 2004 में फिर एक यात्रा निकाली और इण्डिया शाइनिंग का नारा दिया। लेकिन पहले के मुकाबले कामियाबी नहीं रही। वहीं मुरली मनोहर जोशी की 1991 की यात्रा और 1992 में लाल चौक में झण्डा फहराना भी ज्यादा प्रभावी नहीं रहा। हालाकि ऐसी राजनीतिक यात्राओं के शुरुआत का श्रेय चन्द्रशेखर को जाता है जिन्होंने 1983 में कन्याकुमारी से यात्रा शुरू की और 6 महीने बाद दिल्ली पहुंचे। लेकिन तब इन्दिरा गांधी की हत्या के चलते बदले माहौल से उन्हें वो फायदा नहीं मिला जिसकी उम्मीद थी। 1985 में प्रधानमंत्री राजीव गांधी ने मुंबई से कांग्रेस की सद्भावना यात्रा निकलवाई जो 3 महीने बाद दिल्ली पहुंची। लेकिन यह भी वो प्रभाव नहीं दिखा पाई जिसकी उम्मीद थी। यात्राओं के इतिहास में आंध्रप्रदेश के वाईएस राजशेखर रेड्डी की दक्षिण की झुलसाने वाली प्रचण्ड गर्मी में निकली यात्रा कैसे भुलाई जा सकती है। यह चुनाव से पहले शुरू हुई और जिसने साल भर बाद हुए चुनाव में जबरदस्त सफलता दिलाई। उनके बेटे वाईएस जगनमोहन रेड्डी की 2017 की यात्रा ने उन्हें मुख्यमंत्री बनवा दिया। इसी तरह मप्र में दिग्विजय सिंह की नर्मदा यात्रा भी जबरदस्त चर्चाओं में रही जिसके बाद कांग्रेस की वापसी तो हुई लेकिन अंर्तकलह से बहुमत के बावजूद कैसे सत्ता से बेदखल हुई सबने देखा। 15 अगस्त 2021 से 28 अगस्त 2021 तक 14 दिन चली भाजपा की जन आशीर्वाद यात्रा ने भी 24 हजार किमी की दूरी तय की और जन–जन तक जन कल्याण एवं विकास के प्रति समर्पण और प्रतिबध्दता का संदेश पहुंचाया। निश्चित रूप से यात्राओं का अपना एक महत्व व प्रभाव तो है जो जनता पर काफी असर छोड़ता है।

राहुल की यात्रा में देश के कई नामी–गिरामी हस्तियों ने भी भाग लेकर जरूर खलबली मचाई। ऐक्टिविस्ट राजनीतिज्ञ खेल फिल्म कला जगत की तमाम बड़ी हस्तियों ने साथ देकर बड़ा संदेश दिया। जहां तुषार गांधी मेधा पाटकर अमोल पालेकर पूजा भट्ट स्वरा भास्कर आनंद पटवर्धन रश्मि देसाई ऋतु शिवपुरी सुनिधि चौहान उर्मिला मातोंडकर मो. अजहरुद्दीन कैप्टन बाना सिंह जैसे नामचीन शामिल हुए। वहीं दूसरे दलों राजनीतिक दलों से तेजस्वी यादव संजय राउत फारुख अब्दुल्ला उमर अब्दुल्ला महबूबा मुफ्ती की मौजूदगी ने बांकी विपक्ष को सोचने पर मजबूर किया होगा। अब सबकी निगाहें लंबी यात्रा के बाद राहुल गांधी की होने वाली राजनीतिक रैलियों व बिखरे विपक्ष के कर्णधारों पर है। राहुल की मंशा और विपक्ष की आशंका बीच सभी किसी नए राजनीतिक समीकरण के इंतजार में है जो जल्द दिख सकता है। सच है कि यात्रा जहां–जहां से गुजरी वहां युवाओं महिलाओं की भारी भीड़ जुटी जो केवल राहुल को देखने आई। संगठन की दृष्टि से बेहद मजबूत भाजपा से मुकाबले के लिए बड़ा यक्ष प्रश्न खुद राहुल और कांग्रेस के सामने है कि नई ऊर्जा से भरपूर होने के बावजूद युवा भारत को आकर्षित कर पाएंगे? जहां–तहां बिखरे कांग्रेस संगठन में आपसी गुटबाजी खत्म करा पाएंगे? विपक्ष को एकजुट करने व मजबूत पुराने सहयोगियों को घर वापसी करा पाएंगे? और क्या राहुल बिखरे विपक्ष के लिए करिश्माई चेहरा बन पाएंगे?

विचार मंथन

संसद में अडानी के नाम की सुनामी

(लेखक–सनत जैन)

हिंडन बर्ग की रिपोर्ट का सबसे ज्यादा असर अडानी समूह पर पड़ा है। अदानी समूह अर्श से फर्श की ओर आने की ओर बढ़ चला है। अडानी समूह के साथ–साथ इसका असर केंद्र सरकारस्टेट बैंक ऑफ इंडिया भारतीय जीवन बीमा निगम सेबी इत्यादि पर भी पड़ रहा है। दुनिया के सबसे तीसरे नंबर के अमीर बनने वाले गौतम अडानी एक ही झटके में मुकेश अंबानी के नीचे आ गए हैं। मुकेश अंबानी की नेटवर्क 6.84 लाख करोड़ रुपए की है। वहीं गौतम अडानी की नेटवर्क एक ही झटके में घटकर 6.14 लाख करोड रुपए पर आ गई है। बुधवार को वह 15 वें स्थान पर आ गए थे। अडानी समूह को लेकर पिछले कई माह से तरह–तरह के आरोप प्रधानमंत्री मोदी पर विपक्षियों द्वारा लगाए जा रहे थे। लेकिन अडानी समूह का बुलबुला इतनी जल्दी फूटेगा। इसका विश्वास किसी को नहीं हो रहा है। हिंडन बर्ग की एक रिपोर्ट ने सारी दुनिया में अडानी समूह के साथ–साथ भारत सरकार शेयर बाजार की नियामक संस्था सेबी और अन्य वित्तीय संस्थाओं की विश्वसनीयता पर सवाल खड़े कर दिये हैं। गुरुवार को संसद के दोनों सदनों को अडानी समूह को लेकर स्थगित करना पड़ा। विपक्षी दलों द्वारा अडानी समूह के बारे में जो रिपोर्ट आई है उसको लेकर संसदीय समिति से जांच कराने जेपीसी बनाने अथवा सुप्रीम कोर्ट के किसी जज से जांच कराने की बात को लेकर संसद की कार्यवाही नहीं चलने दी। सरकार इस मसले पर कोई भी बयान देने की स्थिति में नहीं है। बाजार नियामक संस्था सेबी ने भी अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की है। जिसके कारण विपक्ष सरकार के ऊपर आक्रमक हो रहा है। इस मुद्दे पर सारा विपक्ष पहली बार एकजुट हो गया है। जिसके कारण सरकार की परेशानियां रही हैं। अडानी समूह ने 20000 करोड रुपए का एफपीओ वापस लेकर अपने लिए एक और मुसीबत खड़ी कर ली है। सारी दुनिया में यह कहा जा रहा है कि अडानी समूह अपने एफपीओ के लिए 20000 करोड़ रुपए का भी इंतजाम नहीं कर पाया। इससे विश्व स्तर पर उसकी साख गिरी है। नार्वेयिन फंड ने अडानी समूह की कंपनियों मे 80 मिलियन डालर का निवेश किया था हिंडन बर्ग की रिपोर्ट आने के बाद उसने भी अपना स्टॉक बेचना शुरू कर दिया। स्विट्जरलैंड की क्रेडिट किस कंपनी ने अडानी समूह से अपने सारे वित्तीय संबंध तोड़ लिए। अदानी समूह के साथ किसी भी लेनदेन और बांड इत्यादि स्वीकार करने से उसने मना कर दिया है। ऑस्ट्रेलिया के शेयर बाजार कमीशन ने अडानी समूह की कंपनियों की जांच शुरू कर दी है। गुरुवार को भी शेयर बाजार में अडानी की कंपनियों के शेयर में छटवें दिन लगातार बिकवाली देखने को मिली। शेयर बाजार में उसे भारी नुकसान उठाना पड़ा। इसका असर स्टेट बैंक ऑफ इंडिया भारतीय जीवन बीमा निगम एवं अन्य बैंकिंग सेक्टर और सार्वजनिक क्षेत्र की वित्तीय कंपनियों में देखने को मिला है।

राष्ट्रपति के अभिभाषण पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा होनी थी। लेकिन विपक्ष हिंडन बर्ग की रिपोर्ट के आधार पर संसद की कार्यवाही स्थगित कर चर्चा कराने की मांग पर अड़ा रहा। विपक्ष ने प्रश्नोत्तर तक नहीं होने दिया। संसदीय क्षेत्र में इसे अमेरिका के वॉटरगेट कांड से भी जोड़कर देखा जा रहा है। गौतम अडानी के देश से बाहर चले जाने को लेकर भी सरकार को निशाने पर लिया जा रहा है। विपक्ष अडानी पर निशाना साध कर प्रधानमंत्री मोदी पर हमला है। इस बात को सरकार भी समझ रही है। देश की अर्थ–व्यवस्था पर अडानी समूह के फर्जीवाड़े का असर पड़ा है। वहीं देश में आर्थिक एवं राजनैतिक अस्थिरता का वातावरण बन गया है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अंबानी फिर से भारत के सबसे धनी व्यक्ति बने

नई दिल्ली।

सरकार ने सिलेंडरों पर आयात शुल्क बढ़ाया

नई दिल्ली।

ग्लेन्स हेल्थकेयर का शुद्ध लाभ तीसरी तिमाही में 7 फीसदी बढ़कर 269 करोड़ रुपये हुआ

मुंबई।

अडानी इंटरप्राइजेस के शेयर में 15 फीसदी की गिरावट

नई दिल्ली। (एजेंसी)

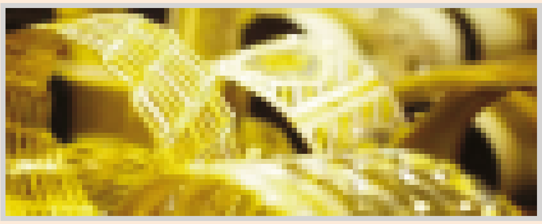

सोने-चांदी में तेजी

नई दिल्ली।

जोधपुर को मिलेगा नया टर्मिनल भवन, कोटा को मिलेगा नया एयरपोर्ट : सिंधिया

नई दिल्ली। जोधपुर में

लगातार छठवें दिन गिरे अडानी ग्रुप शेयर मार्केट कैप करीब 100 अरब डॉलर गिरा

नई दिल्ली (एजेंसी)

शेयर बाजार में मिला-जुला कारोबार सेंसेक्स में तेजी निफ्टी गिरावट पर बंद

मुंबई (एजेंसी)

फेडरल रिजर्व ने फिर बढ़ाई ब्याज दर

नई दिल्ली। (एजेंसी)

फिर मुश्किल में सूरत रैंक बैंक और डीमैट अकाउंट होंगे फ्रीज

नई दिल्ली (एजेंसी)

चालू वित्त वर्ष में फूड फर्टिलाइजर पेट्रोलियम सब्सिडी 5.21 लाख करोड़ रहने का अनुमान

मुंबई।

केंद्रीय बजट जम्मू-कश्मीर में विकास के नए युग की शुरुआत करेगा : भाजपा नेता

सरकार ने ...

नई दिल्ली (एजेंसी)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले फिट हुए

बेंगलुरु । भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी ऑलराउडर रवींद्र जडेजा ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज से पहले फिट हो गये हैं। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) ने जडेजा को नागपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ नौ फरवरी से शुरू होने वाले पहले टेस्ट में खेलने के लिए अनुमति दे दी है। जडेजा अब नागपुर में भारतीय टीम के चार-दिवसीय अभ्यास शिविर में भाग ले सकेंगे। जडेजा की वापसी से भारतीय टीम की गेंदबाजी और बल्लेबाजी मजबूत होगी। इस ऑलराउंडर ने भारत की ओर से अपना अंतिम मैच अगस्त 2022 में एशिया कप में खेला था। उसके बाद से ही वह फिट नहीं होने के कारण बाहर थे। इसी बीच उनकी सर्जरी भी हुई थी। घुटने की चोट की सर्जरी के कारण वह पांच माह तक क्रिकेट से दूर रहे। जडेजा ने इस साल की शुरुआत में ही 24-27 जनवरी को खेले गये रणजी मुकाबले में सौराष्ट्र की कप्तानी करते हुए मैदान पर वापसी की। जडेजा ने इस मैच में 41.4 ओवर फेंके और दूसरी पारी में सात विकेट भी लिए जिसके बाद उन्हें अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने की अनुमति मिल गयी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार टेस्ट मैचों की सीरीज का पहला मुकाबला नौ फरवरी से नागपुर में खेला जायेगा जबकि इसके बाद के तीन मैच दिल्ली धर्मशाला और अहमदाबाद में खेले जायेंगे।

कॉन्फिडेंट इंडिया ने भूटान के खिलाफ सैफ अंडर-20 महिला चैंपियनशिप अभियान शुरू किया

(एजेंसी)।

भारत की अंडर-20 महिला राष्ट्रीय टीम शुक्रवार को यहां होने वाले सैफ अंडर-20 महिला चैंपियनशिप अभियान में युवाओं और अनुभव के अपने मिश्रण पर निर्भर करेगी।भारत के मुख्य कोच मेमोल रॉकी ने टीम में अनुभवी और युवा खिलाड़ियों के मिश्रण के महत्व पर जोर दिया, जिसमें वे भी शामिल हैं, जो पहले से ही सीनियर राष्ट्रीय टीम में खेल चुके हैं। मेमोल ने भूटान के खिलाफ भारत अंडर-20 के मैच की पूर्व संध्या पर कहा, हमारे पास सैफ अंडर-20 चैंपियनशिप की तैयारी के लिए 20 दिन हैं और एएफसी अंडर-20 महिला एशियन कप क्वालीफायर की तैयारी की प्रक्रिया में भी हैं। हमने शिविर में 35 खिलाड़ियों के साथ शुरूआत की और इस टूर्नामेंट के लिए इसे घटाकर 23 कर दिया है। उन्होंने कहा, हमारी टीम में युवाओं और अनुभव का मिश्रण है, जो खिलाड़ी सीनियर स्तर पर भी खेल चुके हैं इसलिए मुझे यकीन है कि लड़कियां अपना 100 प्रतिशत देंगी, जिसमें अच्छे नतीजे आएंगे। टूर्नामेंट के लिए अपने विरोधियों के बारे में पूछे जाने पर मेमोल ने काफी सम्मान दिखाया, लेकिन उनका मानना है कि अगर लड़कियां अपना सब कुछ झोंक दें तो भारत सभी चुनौतियों से पार पा सकता है। उन्होंने कहा, भूटान एक अच्छी टीम है, जैसे कि नेपाल है। बांग्लादेश पिछले कुछ वर्षो में शानदार प्रदर्शन कर रहा है और वे निश्चित रूप से देखने वाली टीम हैं। अगर हम इसे अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट देते हैं, तो हम सभी बाधाओं को दूर कर सकते हैं। भारत की कप्तान मार्टिना थोकचोम, जो उन खिलाड़ियों में से एक हैं, जो पहले सीनियर महिला टीम में खेल चुकी हैं, ने सैफ चैंपियनशिप के निर्माण में ब्लू टाइगर्स के साथ एक ही शिविर में होने के फायदों के बारे में बताया। मार्टिना ने बताया, हां, हम एक जूनियर टीम हैं, लेकिन हम सीनियर टीम के साथ एक ही कैंप में थे और इससे हमें मदद मिली है। हम सभी एक ही होटल में रुके थे और साथ में एक मैच भी खेला था। भूटान अंडर-20 महिला टीम के मुख्य कोच कर्मा डेमा ने चैंपियनशिप से पहले अपनी टीम की तैयारी को कमतर आंकते हुए कहा कि इस आयोजन में भाग लेना उनके लिए सीखने की अवस्था होगी। डेमा ने बताया, हम सैफ में भाग लेकर खुश और धन्य महसूस कर रहे हैं। हमारी तैयारी कुछ अन्य खिलाड़ियों की तरह लंबी नहीं है, लेकिन हम सभी खेलने का मौका पाकर खुश हैं।

बायर्न म्यूनिख ने मेंज को हराकर जर्मन कप के क्वार्टर फाइनल में किया प्रवेश

(एजेंसी)।

पहले हाफ में किए गए तीन गोलों की मदद से बायर्न म्यूनिख ने बुधवार को जर्मन कप के अंतिम 16 मुकाबले में मेंज के खिलाफ 4-0 से जीत दर्ज की। जर्मन ने शुरूआत से ही बागडोर संभाली और शुरूआती चरणों में किंग्सले कोमन और जमाल मुसियाला की बदौलत मौके बनाए। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बायर्न ने 17वें मिनट में एक गोल किया, जब जोआओ कैंसिलो ने गेंद को दूर ले जाने की कोशिश की और मैक्सिम एरिक चौपो-मोटिंग ने बाएं पैर से गोल दागा।नगेल्समैन ने आगे कहा, मेंज एक शानदार टीम है। मुझे लगता है कि खिलाड़ी इस बात से हैरान थे कि हम पहले हाफ में कितने आक्रामक तरीके से खेले। समाचार एजेंसी शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, बायर्न ने 17वें मिनट में एक गोल किया, जब जोआओ कैंसिलो ने गेंद को दूर ले जाने की कोशिश की और मैक्सिम एरिक चौपो-मोटिंग

रूस के नेपोमनिशी और चीन के डिंग के बीच होगी विश्व शतरंज चैंपियनशिप

(एजेंसी)

अस्ताना ,कज़ाकिस्तान (निकलेश जैन) वर्ष 2023 में फीडे विश्व शतरंज चैम्पियनशिप इस खेल की सबसे महत्वपूर्ण घटना होगी जो की यह तय करेगी कि अगला विश्व चैंपियन कौन होगा। मौजूदा और 5 बार के विश्व क्लासिकल शतरंज चैम्पियन नॉर्वे के मेगनस कार्लसन के अगली विश्व चैंपियनशिप से हटने के बाद 2022 फीडे कैंडिडैट के विजेता रूस के यान नेपोमनिशी और उपविजेता चीन के डिंग लीरेन के बीच अब अगली विश्व शतरंज चैंपियनशिप अस्ताना में 7 अप्रैल से 1 मई 2023 के दौरान खेली जाएगी। वर्तमान में डिंग विश्व रैंकिंग में दूसरे तो नेपोमनिशी तीसरे स्थान पर काबिज है । विश्व चैंपियनशिप में कुल 14 क्लासिकल मैच खेले जाएँगे और प्रतियोगिता में करीब 16.5 करोड़ रुपेय की पुरुष्कार राशि विजेता और उपविजेता में 60 त्न और 40 त्न के हिसाब से दी जाएगी । मौजूदा विश्व चैम्पियन मेगनस कार्लसन नें 2013 , चेन्नई में भारत के विश्वनाथन आनंद को हराकर पहला विश्व खिताब जीता था और तब से यह खिताब उनके पास रहा है और अब दुनिया को अगला विश्व चैम्पियन मिलना तय हो गया है ।

ऑस्ट्रेलियाई टीम ने लगाया चार दिन का अभ्यास शिविर

वेटोरी को बनाया स्पिन सलाहकार

मुम्बई ।(एजेंसी)

भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने 9 फरवरी से शुरू हो रही टेस्ट सीरीज के लिए बैंगलोर के करीब एलुर में 4 दिन का अभ्यास शिविर लगाया है। ऑस्ट्रेलियाई टीम . यहां भारतीय स्पिनरों से निपटने के गुर सीख रही है। इसके लिए उसने आईपीएल टीम रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर के कोच डेनियल वेटोरी को भी अपने साथ जोड़ा है। वेटोरी टीम के साथ स्पिन सलाहकार के तौर पर रहेंगे।

भारत में साल 2012 के बाद कोई विदेशी टीम टेस्ट सीरीज नहीं जीत पायी है। इसी को देखते मेहमान टीम अपनी रणनीति बना रही है। ऑस्ट्रेलियाई टीम एलुर में अलग-अलग तरह की पिच पर अभ्यास करेगी। इसमें धीमी टर्न वाली अधिक स्पिन वाली अलग-अलग बाउंस वाली पिच भी शामिल है। इससे टीम को नागपुर दिल्ली और अहमदाबाद में टीम इंडिया से होने वाले टेस्ट मैच से पहले तैयारी का अच्छा अवसर मिलेगा। इस सीरीज का एक अन्य टेस्ट मैच धर्मशाला में होना है। यहां की पिच तेज गेंदबाजों के अनुकूल मानी जाती है। इससे ऑस्ट्रेलिया को अधिक परेशानी नहीं होने वाली। .आम तौर पर देखा गया है कि टीम इंडिया की जीत स्पिनरों पर आधारित रहेगी। उसके पास भारत अनुभवी आर अश्विन रवींद्र जडेजा के अलावा अक्षर पटेल और कुलदीप यादव जैसे अच्छे स्पिनर हैं। इससे पहले साल 2013 में ऑस्ट्रेलिया ने चेन्नई में 2 अभ्यास मैच खेले थे। इसके बाद भी उसे करारी हार का सामना करना पड़ा था। इस कारण मेहमान टीम ने अभ्यास मैच की जगह शिविर लगाया है। हाल में टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ ने कहा था कि भारत में अभ्यास मैच खेलना फायदेमंद नहीं है। इसकी जगह हमें नेट्स पर अधिक समय बिताना होगा।

इस बार तैयारी के लिए ऑस्ट्रेलिया ने सिर्फ वेटोरी के अलावा नेट गेंदबाज के तौर पर जम्मू-कश्मीर के आबिद मुश्ताक सहित कुछ गेंदबाजों को भी शामिल किया है।

संक्षिप्त समाचार

टी20 में हार्दिक के शानदार रिकार्ड से रोहित की कप्तानी में वापसी कठिन

अहमदाबाद । हार्दिक पंड्या की कप्तानी में भारतीय टीम की न्यूजीलैंड के खिलाफ जीत के साथ ही उनकी नेतृत्व क्षमता एक बार फिर साबित हुई है। ऐसे में अब इस प्रारुप में हार्दिक का ही कप्तान बने रहना तय है। इसके अलावा साल 2024 के टी20 विश्व कप में भी उन्हें ही टीम की कप्तानी मिलना तय है। इससे पहले टी20 विश्व कप 2022 और एशिया कप में हार के बाद ही रोहित की जगह पर इस सबसे छोटे प्रारुप की कमान पंड्या को दे दी गयी थी। तभी से उनकी कप्तानी में भारतीय टीम ने अच्छा प्रदर्शन करते हुए लगातार जीत दर्ज की हैं। ऐसे में चयनकर्ता इस प्रारुप की कमा हार्दिक के पास ही रहने देंगे। इसका एक कारण यह भी है कि विश्वकप तक रोहित शर्मा की उम्र अधिक हो जाएगी ऐसे में टीम में उनकी जगह भी पक्की नहीं रहेगी। पंड्या की कप्तानी में भारतीय टीमने पिछले वर्ष आयरलैंड और न्यूजीलैंड को टी20 सीरीज में हराया था। उस सीरीज में न्यूजीलैंड के कप्तान केन विलियमसन थे। फिर साल 2023 की शुरुआत में हार्दिक की कप्तान में टीम इंडिया ने श्रीलंका को 2-1 से हराया था।

विराट ने शुभमन को भारतीय टीम का भविष्य बताया

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने युवा बल्लेबाज शुभमन गिल की जमकर प्रशंसा की है। शुभ्मन ने हाल के दिनों में शानदार प्रदर्शन करते हुए तीनो ही प्रारुपों में शतक लगाये हैं। शुभमन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और और अंतिम टी20 मुकाबले में आक्रामक बल्लेबाजी करते हुए शतक लगाया। शुभमन ने इस मुकाबले में 126 रनों की नाबाद शतकीय पारी खेली। इससे पहले शुभमन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज में भी शतक लगाया था। कोहली ने इस युवा बल्लेबाज की पारी देखकर उसे भारतीय टीम का भविष्य बताया है। शुभमन इस समय शानदार फॉर्म में चल रहे हैं। इससे पहले उनका टी20 में रिकार्ड अच्छा नहीं था और उनके नाम एक भी अर्धशतक तक नहीं था पर अब इस क्रिकेटर ने दिखाया है कि वह हर प्रारुप में खेल सकते हैं। इस युवा बल्लेबाज ने न्यूजीलैंड के खिलाफ एकदिवसीय और टी20 सीरीज में मिलाकर कुल 504 रन बनाए और वहीं पूरी टीम ने 781 रन बनाये। प्रशंसक अब उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भी बड़ी पारी खेलते हुए देखना चाहेंगे।

साल 2016 से बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में लगातार जीती है भारतीय टीम

मुम्बई ।(एजेंसी)

भारत दौरे पर आयी ऑस्ट्रेलियाई टीम टीम इंडिया के खिलाफ चार मैचों की टेस्ट सीरीज खेलेगी। इस सीरीज का पहला टेस्ट मैच 9 फरवरी से नागपुर में खेला जाएगा। दोनो ही टीमों लिए यह सीरीज बेहद अहम है। इसी सीरीज को जीतकर भारतीय टीम जहां विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में जगह पक्की करना चाहेगी। वहीं मेहमान ऑस्ट्रेलियाई टीम भी फाइनल में अपनी जगह और मजबूत करना चाहेगी। अभी ऑस्ट्रेलियाई टीम विश्व रैंकिंग में नंबर एक जबकि भारतीय टीम दूसरे नंबर पर है। ऑस्ट्रेलियाई टीम के लिए यह सीरीज जीतना आसान नहीं रहेगा क्योंकि भारतीय टीम साल 2016 से ही इस सीरीज में अजेय रही है। इसका मतलब है कि पिछले सात साल में भारतीय टीम ने तीनों सीरीज जीती हैं। साल 1996 से ही शुरू हुई इस प्रतिष्ठित ट्रॉफी में अभी तक 15 सीरीज हुई हैं। इस दौरान भारत ने 9 बार ट्रॉफी पर जीती है जबकि ऑस्ट्रेलियाई टीम को 5 बार सीरीज में जीत मिली है। वहीं एक बार सीरीज बराबरी पर रही है। वहीं पिछले 7 साल की बात करें तो भारत ने 3 बार सीरीज अपने नाम की है। साल 2016-17 में आयोजित इस सीरीज में भारत ने कंगारुओं को 2-1 से पटखनी दी थी वहीं 2018-19 और 2020-21 में भी शानदार जीत दर्ज की थी। भारत ने 1996-97 में सीरीज 1-0 से जीती थी जबकि 1997-98 में उसने कंगारुओं को 2-1 से हराया था। वहीं साल 1999 में भारतीय टीम को हार का सामना करना पड़ा. भारतीय टीम ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पिछले 7 सालों में 3 बार बॉर्डर-गावस्कर सीरीज जीती है। उसने 2016-17 में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था। इसके बाद 2018-19 और 2020-21 में भी उसे पराजित किया था हालांकि साल 2014-15 में टीम इंडिया को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-2 से सीरीज में हार का सामना करना पड़ा था।

सूर्यकुमार ने हवा में कैच पकड़ने के साथ ही उड़ाये जहाज

अहमदाबाद ।(एजेंसी)

भारतीय क्रिकेट टीम के आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव ने यहां तीसरे टी20 मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ शानदार क्षेत्ररक्षण करते हुए हवा में छलांग लगाकर दो कैच पकड़कर सबको हैरान कर दिया था। वहीं इस मैच के दौरान वह बच्चे की तरह फूंक मारकर कागज का हवाई जहाज भी उड़ाते हुए दिखाई दिए। सूर्यकुमार का सोशल मीडिया पर इसका एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है। इस वीडियो में सूर्यकुमार सीमा रेखा के पास मस्ती के अंदाज में दिखाई दिये। सूर्यकुमार जब सीमा रेखा के करीब क्षेत्ररक्षण कर रहे थे तब दर्शक दीर्घा से एक प्रशंसक ने कागज का हवाई जहाज बनाकर सूर्या की ओर फेंका। यह जहाज सूर्यकुमार यादव के सामने गिरा जिसे उठाकर उन्होंने बच्चों की तरह फूंककर वापस दर्शक की ओर उड़ा दिया। सूर्या को क्षेत्ररक्षण में पहली बार स्लिप में खड़ा किया था। इस पारी के पहले ओवर की हार्दिक पंड्या की पांचवीं गेंद पर ही कीवी टीम के सलामी बल्लेबाज फिन एलेन ने कट किया और गेंद स्लिप की ओर उछली सूर्या ने इसे हवा में छलांग लगाकर लपक लिया। वहीं तीसरे ओवर में भी कुछ ऐसा ही हुआ। इस बार भी हार्दिक की गेंद ग्लेन फिलिप्स के बल्ले का किनारा लेकर गई और सूर्या ने हवा में ही इसे पकड़ने में कोई गलती नहीं की।

चयनकर्ताओं के भरोसे पर खरे नहीं उतरे ईशान

नई दिल्ली । बांए हाथ के आक्रामक बल्लेबाज ईशान किशन न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे ओर अंतिम टी20 मुकाबले में भी उम्मीद के अनुसार प्रदर्शन नहीं कर पाये। ईशान से इस मैच में बड़ी पारी की उम्मीद थी पर वह एक रन ही बना पाये। पहले दो टी20 मैचों में भी वह रन नहीं बना पाये थे। तीसरे टी20 में यह उम्मीद थी कि ईशान अच्छा प्रदर्शन कर चयनकर्ताओं का भरोसा कायम रखेंगे पर ऐसा नहीं हुआ। इससे टी20 टीम में उनकी जगह भी खतरे में पड़ती नजर आ रही है। ईशान ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ तीनों टी20 में कुल मिलाकर केवल 24 रन ही बनाये हैं। उन्होंने पहले टी20 में 4 और दूसरे टी20 में 19 रन बनाए थे। उनका स्ट्राइक रेट भी 100 से कम रहा है। न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 सीरीज से पहले वह श्रीलंका के खिलाफ भी असफल रहे थे। वह एक भी मैच में अर्धशतक तक नहीं लगा पाये। उन्होंने मात्र एक मैच में 30 से ज्यादा रन बनाये थे। ऐसे में अब आने वाले मैचों में उन्हें शायद ही मिल पाये।

अहमदाबाद में मैच देखने जाएंगे पीएम नरेंद्र मोदी, ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री को भी भेजा न्योता

(एजेंसी)

इस महीने भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच चार मैचों की टेस्ट सीरीज शुरू होने जा रही है। पहला टेस्ट 9 फरवरी को नागपुर में खेला जाएगा। इस सीरीज को बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के नाम से भी जाना जाता है। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल को लेकर यह सीरीज बेहद अहम है। इस बीच एक बड़ी खबर सामने आई है। सीरीज के चौथे मैच को देखने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अहमदाबाद जाएंगे। पीएम मोदी के साथ ऑस्ट्रलिया के प्रधानमंत्री भी इस मैच को देखने आ सकते हैं। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अहमदाबाद में होने वाले सीरीज के चौथे और अंतिम टेस्ट मैच को देखने के लिए पीएम मोदी भी स्टेडियम पहुंचेंगे। इतना ही नहीं, ऑस्ट्रेलिया के पीएम एंथनी अल्बनीस भी बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी सीरीज के इस अंतिम मैच का गवाह बनने भारत आएंगे। टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के मुताबिक, दोनों देशों के प्रधानमंत्री स्टेडियम में खिलाड़ियों की हौसलाअफजाई करते नजर आएंगे। अहमदाबाद का नरेंद्र मोदी स्टेडियम दुनिया के सबसे बड़े क्रिकेट स्टेडियम में शुमार है। इस स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सीरीज का चौथा टेस्ट मैच 9 मार्च से शुरू होगा। दिलचस्प है कि जब से इस स्टेडियम का नाम पीएम मोदी के नाम पर रखा गया है, वह पहली बार कोई क्रिकेट मैच देखने के लिए अहमदाबाद जाएंगे।

जगारेब में विश्व कुश्ती रैंकिंग सीरीज चैम्पियनशिपम में भाग लेते हुए अजरबेजान के अबूबकर और मार्क जोन।

रात के खाने में ना खाएं दही

हम सभी जानते हैं कि दही खाना सेहत के लिए बहुत अधिक लाभकारी होता है। दही एक सुपर फूड है, जिसे हर दिन खाया जा सकता है और यह सेहत को सिर्फ एक नहीं अनेक तरीकों से लाभ पहुंचाती है। पाचन से लेकर त्वचा और बाल सबको हेल्दी रखती है। इस विषय पर नए सिरे से बात करने की जरूरत नहीं है। आज हम इस विषय पर बात करेंगे कि आखिर रात के खाने में दही खाने को क्यों मना किया जाता है.

लाभकारी दही हानि क्यों करने लगती है ?

- आपने अपने पैरंट्स से अक्सर सुना होगा कि रात के समय दही या दही से बना रायता नहीं खाना चाहिए। लेकिन आज कल शादी-पार्टीज में यह ट्रेंड है कि आप रात के 12 बजे भी डिनर ले रहे होंगे तो आपको रायता जरूर मिलेगा खाने में.। खैर, सर्व करनेवाले तो सर्व करते है। यह तो आपको निर्णय लेना है कि रात में रायता या दही खाकर आप बीमार पड़ना चाहते हैं या नहीं।
- दही पाचनतंत्र को ऊर्जा देने का काम करती है। साथ ही हमारे शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता भी बढ़ाती है। लेकिन यदि दही का सेवन रात में किया जा तो पाचनतंत्र भी डिस्टर्ब होता है और रोग प्रतिरोधक क्षमता पर भी बुरा असर पड़ता है।

पाचकाग्नि को मंद हो जाती है

- अब आपके मन में यह सवाल आ रहा होगा कि आखिर रात में दही खाने पर ऐसा क्या हो जाता है ? तो जान लीजिए कि रात को दही खाने पर पाचनतंत्र मंद हो जाता है। आयुर्वेद की भाषा में बात करें तो जठराग्नि मंद हो जाती है और शरीर की वायु कुपित हो जाती है। इस कारण रात में दही का सेवन करने पर हाथ, पैर, सिर, कमर या शरीर के किसी भी हिस्से में दर्द की समस्या हो सकती है।

जुकाम लगा सकती है दही

- इसके साथ ही दही खाने पर रोग प्रतिरोधक क्षमता पर इस लिए बुरा असर पड़ता है, क्योंकि दही तासीर में ठंडी होती है। यदि रात में दही खाई जाती है तो शरीर में कफ की मात्रा में वृद्धि हो सकती है। इससे गले में दर्द, खराश, बलगम वाली खांसी, सिर में भारीपन, जुकाम आदि की समस्या हो सकती है।

जोड़ों का दर्द बढ़ सकता है

- जिन लोगों को जोड़ों के दर्द की शिकायत होती है यदि वे लोग रात के समय दही खाना शुरू कर दें तो यकीन मानिए कि जल्द ही ऐसा समय आएगा जब उनके जोड़ों का दर्द इस कदर बढ़ जाएगा कि दिन-रात का चैन खो सकता है।

सो नहीं पाते ऐसे लोग

- जिन लोगों को अस्थमा की शिकायत है, उन्हें रात के समय भूल से भी दही का सेवन नहीं करना चाहिए। नहीं रात के समय अस्थमा अटैक के कारण सांस लेना मुश्किल हो सकता है। हालांकि सभी लोगों को इस बात की जानकारी भी होनी चाहिए खट्टी दही और मीठी दही दोनों के शरीर पर अलग-अलग प्रभाव होते हैं। लेकिन रात के समय आपको किसी भी प्रकार की दही लेने से बचना चाहिए।

आ सकता है बुखार

- रात के समय दही खाना आपको बुखार आने का कारण भी बन सकता है। इसकी वजह ऊपर बताए गए कारणों को मिलाकर तैयार हो जाती है। क्योंकि शरीर में पित्त और वायु का कुपित होना, जुकाम लगना, शरीर में दर्द होना जैसी समस्याएं शरीर के सामान्य तापमान को स्थिर नहीं रहने देती हैं। इससे बुखार आने की समस्या हो सकती है।

रात को दही खाने से बढ़ती है सूजन

- रात को दही खाने से शरीर में सूजन बढ़ने की समस्या बढ़ सकती है। क्योंकि रात में दही का सेवन करने से पित्त की मात्रा में बढ़ोतरी हो सकती है, जो आपके शरीर में सूजन बढ़ाने का काम करेगा।
- अगर आपके शरीर में सूजन की समस्या पहले से है या कोई चोट लगी हुई है तो रात के समय दही खाना आपके शरीर को अंदर से कमजोर करने का काम करेगा। इससे आपके शरीर में दर्द और पीड़ा कई गुना बढ़ सकती है।

जरूरी नहीं अगले दिन ही दिखे रिजल्ट

- अगर आपको लगता है कि आपने तो रात को दही खाई थी, आपको तो कोई समस्या नहीं हुई। तो यह जरूरी नहीं है कि आपने रात में दही खाई है तो अगले दिन सुबह के समय ही आपके शरीर में बीमारी के लक्षण दिखने लगेंगे। ये लक्षण दिन में किसी समय, अगली रात में या एक-दो दिन बाद भी नजर आ सकते हैं।
- ऐसा इसलिए होता है क्योंकि हर किसी की रोग प्रतिरोधक क्षमता अलग-अलग होती है। एक तरफ जहां किसी में एक बार रात को दही खाने के बाद कुछ ही घंटे में तबीयत खराब हो सकती है तो किसी अन्य व्यक्ति के शरीर में इसका असर 3 दिन बाद भी दिख सकता है।

खून के थक्के बनने से रोकने की दवा लेते हैं तो न खाएं हरा साग

हरा साग जैसे पालक क्लॉटिंग रोकने वाली वार्फरिन या कुमारिन दवाओं के असर को काफी हद तक कर देता है बेअसर इसलिए ऐसे लोग जो इन दवाओं को प्रयोग करते हैं उन्हें सलाह दी जाती है कि हरा साग न खाएं।

जिन रोगियों में खून के असामान्य थक्कों के बनने और खून जमने की समस्या होती है, उन्हें एक विशेष दवा के सेवन के कारण कई बार हरा साग खाने से मना किया जाता है। यह दवा वार्फरिन है। यह और इसके जैसी अनेक दवाएं, जिन्हें कुमारिन-परिवार की दवाएं कहते हैं, विटमिन-के का प्रतिरोध करती हैं। इम्यूनोलॉजिस्ट एवं यूमैटॉलजिस्ट कहते हैं, विटमिन-के का काम खून की क्लॉटिंग से होता है। यह विटमिन यकृत में जमा होता है और इसी कारण हमारा खून सही ढंग से जमता है। यह विटमिन शरीर में क्लॉटिंग फैक्टरों का निर्माण करता है। विटमिन-ख न हो तो न जाने कितने ही लोगों की रक्तस्राव से मौत हो जाए, लेकिन फिर अनेक रोगियों में खून का जमना हानिकारक हो जाता है। मान लीजिए किसी रोगी में हृदयवॉल्व की सर्जरी हुई है या उसे कोई ऐसा रोग है, जिसमें खून बार-बार और जल्दी-जल्दी जमा करता है। ऐसे में अगर विटमिन-के का प्रतिरोध न किया गया, तो फिर खून का लगातार जमना हानिकारक या कभी-कभी जानलेवा साबित होगा। इसलिए ऐसे रोगियों में खून को पतला करने वाली दवाएं चलाई जाती हैं। इन्हीं दवाओं में कुमारिन-परिवार की सदस्य दवाएं भी शामिल हैं, जिनमें वार्फरिन प्रमुख है। हरा साग विटमिन-के का प्रमुख स्रोत है। इसे खाने से शरीर को विटमिन-ख की प्राप्ति होती है। लेकिन फिर जिन रोगियों को विटमिन-ख नहीं चाहिए या जिनके लिए विटामिन-के की प्रचुरता हानिकारक है, वे क्या करें ? वह ब्लड की क्लॉटिंग (स्तम्भन) को रोकने के लिए वार्फरिन जैसी दवाओं पर निर्भर रहते हैं। और हरे साग का सेवन वार्फरिन को समुचित कार्य करने से रोकेगा।

आयरन की गोलियां खाएं

इसलिए डॉक्टर की सलाह होती है कि अगर आप वार्फरिन या अन्य कुमारिन-दवाएं खाते हैं, तो हरा साग कम-से कम खाएं या न खाएं। हां, यह जरूर है कि ऐसा करने से आपको आवश्यक आयरन नहीं मिलेगा और अनीमिया की आशंका बढ़ जाएगी, लेकिन ऐसी परिस्थिति में वार्फरिन के साथ हरे साग की बजाय आयरन की गोलियों का सेवन कहीं बेहतर है।

खर्राटों की समस्या से निजात दिलाएगा चुंबक

अगर आपको भी खर्राटे लेने की समस्या है तो आपके लिए एक खुशखबरी है। माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं ने चुंबक की मदद से एक ऐसा उपकरण बनाया है जो खर्राटों की समस्या से निजात दिला सकता है। दो चंबुकों के खींचने की क्षमता की मदद से हवा की नली को रात में सोने के दौरान खुला रखकर खर्राटों की समस्या को ठीक किया जा सकता है।

इस समस्या से दुनियाभर में लाखों लोग जूझ रहे हैं। इस बीमारी के कारण रात को सोते वक्त हवा की नली संकरी हो जाती है और सांस लेने में अवरोध पैदा होता है। इसके लक्षणों में खर्राटे लेना और मुंह से अजीब आवाजें निकालना भी शामिल है। यह बीमारी 40 साल की उम्र से ऊपर के पुरुषों में ज्यादा होती है। मोटापा, शराब की लत और धूम्रपान इसके जोखिम कारक हैं। इससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है। मैग्नेटिक एपनोइया प्रीवेंशन (मैगनैप) उपकरण में उस तरह के चुंबक का इस्तेमाल होता है जो कंप्यूटर हार्ड ड्राइव और साइकिल के डायनेमो में पाए जाते हैं। यह उपकरण सांस की नली को खुला रखने में मदद करता है। चुंबक में एक क्षरण-प्रूफ टाइटेनियम कोटिंग है और यह दावा किया जाता है कि इन्हें एक बार प्रतिरोपित करने के बाद सालों तक सुरक्षित रूप से शरीर में छोड़ा जा सकता है।

इस उपकरण का आकार पचास पैसे के सिक्के के जितना है और इसे सर्जरी के द्वारा गले के हायोड बोन में फिट किया जा सकता है। यह हड्डी जीभ के ठीक नीचे गले में होती है। इस चुंबक को फिट करने की सर्जरी को करने में एक घंटे का समय लगेगा। सर्जरी के चार हफ्ते के बाद एक और चुंबक गले में लगाया जाएगा।

यह दूसरा चुंबक पहले से गले में लगाए गए चुंबक को आकर्षित करेगा जिससे एक हल्का खिंचाव तैयार होगा और हवा की नली खुल जाएगी। मरीज के गले और हवा की नली के आकार के अनुसार विभिन्न आकार के चुंबकों का प्रयोग किया जा सकेगा। अब तक माउंट जियॉन यूनिवर्सिटी हॉस्पिटल में छह लोगों के गले में इस उपकरण को प्रतिरोपित किया गया है। उनकी निगरानी की जा रही है ताकि इस उपकरण की उपयोगिता का पता लगाया जा सके।

दिल का रखेंगे ध्यान ब्रोकली और पत्तागोभी

क्या आपको भी ब्रोकली, पत्तागोभी और ब्रसल्स स्प्राउट जैसी सब्जियां अच्छी नहीं लगतीं। अगर आप भी इन सब्जियों को खाने से परहेज करते हैं तो आप अनजाने में दिल की बीमारियों को न्योता दे रहे हैं। एक हालिया शोध के अनुसार ये सब्जियां रक्त धमनियों और वाहिकाओं की बीमारियों के जोखिम को कम करने में मदद करती हैं। रक्त धमनियों में अवरोध पैदा होने से हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम बढ़ जाता है। ब्रिटिश जर्नल ऑफ न्यूट्रिशन में प्रकाशित शोध में पाया गया कि पत्तेदार हरी सब्जियों जैसे ब्रोकली, ब्रसल्स स्प्राउट और पत्तागोभी का सेवन करने का संबंध बुजुर्गों में रक्त वाहिकाओं की बीमारियों के कम जोखिम के साथ था। ईसीयू स्कूल ऑफ मेडिसिन और द यूनिवर्सिटी ऑफ वेस्टर्न ऑस्ट्रेलिया के शोधकर्ताओं ने 684 बुजुर्ग महिलाओं पर अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने देखा कि जिन महिलाओं ने ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनकी महाधमनी में कैल्शियम के जमाव का खतरा कम पाया गया। यह रक्त वाहिकाओं में होने वाली बीमारियों का पहला संकेत होता है।

हार्ट अटैक हो सकता है

रक्त वाहिकाओं की बीमारियां धमनियों और नसों को प्रभावित करती हैं। धमनियों और नसों में कैल्शियम का जमाव होने से रक्त के प्रवाह में बाधा आती है जिससे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का खतरा बढ़ जाता है।

ब्रोकली और स्प्राउट है बेहद फायदेमंद

प्रमुख शोधकर्ता डॉक्टर लाउरेन ब्लेकेनहोर्स्ट ने कहा, हरी पत्तेदर सब्जियों के बारे में कुछ पेचीदा था, जिस पर इस अध्ययन ने अधिक प्रकाश डाला है। हमारे पूर्व शोधों में हमने पाया कि जिन लोगों ने हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन किया उनमें दिल संबंधी बीमारियों और घटनाएं जैसे हार्ट अटैक और स्ट्रोक का जोखिम कम पाया गया। हमारे शोध से हरी पत्तेदार सब्जियों के फायदों के बारे में पता चलता है। बुजुर्गावस्था में ज्यादा हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन करने से धमनियां स्वस्थ रहती हैं और इससे दिल भी स्वस्थ रहता है।

विटामिन-के मौजूद होता है

हरी पत्तेदार सब्जियों जैसे ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी में बड़ी मात्रा में विटामिन- के मौजूद होता है। विटामिन-के रक्त वाहिकाओं में कैल्शियम के जमाव को रोकने का काम करता है।

रोजाना सब्जी खाना जरूरी

डॉक्टर ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा कि इस अध्ययन में जिन महिलाओं ने प्रतिदिन 45 ग्राम से अधिक सब्जियों का सेवन किया (जैसे एक कप उबली हुई ब्रोकली या एक कप पत्ता गोभी) उनकर महाधमनी में कैल्शियम के व्यापक जमाव की आशंका 46 प्रतिशत कम थी। इनकी तुलना रोजाना सब्जी नहीं खाने वाले लोगों से की गई। ब्लेकेनहॉर्स्ट ने कहा, अच्छे स्वास्थ्य के लिए सिर्फ ब्रोकली, स्प्राउट और पत्तागोभी का ही सेवन नहीं करना चाहिए बल्कि सभी प्रकार की मौसमी सब्जियां खानी चाहिए।

रोजाना कितनी सब्जी खाएं

- रोज सलाद के रूप में 80 ग्राम कच्ची सब्जी का सेवन करना चाहिए।
- प्रतिदिन 80 ग्राम पकी हुई सब्जी का सेवन करने की सलाह।
- प्रतिदिन 125 मिलीलीटर सब्जी के जूस का सेवन करना चाहिए।

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से हो सकते हैं मानसिक दिव्यांगता का शिकार

कोलेस्ट्रॉल बढ़ने या घटने से ऑटिज्म जैसी मानसिक दिव्यांगता विकसित हो सकती है। हार्वर्ड विश्वविद्यालय समेत तीन संस्थानों के अध्ययन में यह जानकारी सामने आई है। ऑटिज्म के मरीज न तो अपनी बात ठीक से कह पाता है ना ही दूसरों की बात समझ पाता है और न उनसे संवाद स्थापित कर सकता है। यदि इन लक्षणों को समय रहते भांप लिया जाए, तो काबू पाया जा सकता है। प्रतिष्ठित नेचर पत्रिका में प्रकाशित इस रिपोर्ट के मुताबिक, बच्चे के धीमे मानसिक व शारीरिक विकास से जुड़ी इस बीमारी के लक्षण बचपन में ही दिखने लगते हैं। हार्वर्ड विश्वविद्यालय, मैसाचुएट्स इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी और नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने कोलेस्ट्रॉल और ऑटिज्म के संबंध के बारे में जानने के लिए वैज्ञानिक अध्ययन किया। शोधकर्ताओं ने पाया कि ऑटिज्म के सबटाइप वाली एक बीमारी उन्हीं अनुवांशिक तत्वों से होती है जो शरीर में कोलेस्ट्रोल मेटाबोलिज्म और मस्तिष्क विकास को नियंत्रित करते हैं। वैज्ञानिकों ने मस्तिष्क के नमूनों के डीएनए अध्ययन से पाया कि लिपिड डायफंक्शन और ऑटिज्म के बीच साझा आणुविक जड़ें होती हैं। फिर वैज्ञानिकों ने ऑटिज्म पीड़ित लोगों के मेडिकल रिकॉर्ड का अध्ययन करके इस बात की पुष्टि की। लिपिड जीवित कोशिकाओं में एक महत्वपूर्ण अवयव होता है जो एल्कोहल में घुलनशील है। अध्ययनकर्ता इसहाक कोहेन का कहना है कि शोध के निष्कर्ष बताते हैं कि यह बहुत जटिल बीमारी है और इसके विभिन्न प्रकार अलग-अलग कारणों से उत्पन्न होते हैं।

घुटने का दर्द हो जाएगा छूमंतर ट्राय करें यह देसी नुस्खा

बढ़ती उम्र और डेली रूटीन में अलग-अलग स्थितियों के कारण हमारे शरीर में अलग-अलग प्रकार के बदलाव होते हैं। इसके परिणामस्वरूप कई प्रकार की बीमारियां और स्वास्थ्य समस्याएं भी शरीर को अपना शिकार बनाती हैं जिनमें घुटनों का दर्द भी प्रमुख रूप से गिना जाता है। घुटने के दर्द की समस्या ज्यादातर बुजुर्गों को परेशान करती है वहीं खेलकूद से जुड़े लोगों को भी इस समस्या से जूझना पड़ता है। ऐसे लोगों के लिए यहां पर एक देसी नुस्खे के बारे में बताया जा रहा है जो उनके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए कारगर रूप से कार्य कर सकता है। आइए इस देसी नुस्खे के बारे में आपको पूरी जानकारी देते हैं।

क्यों होता है घुटनों में दर्द ?

इस देसी नुस्खे को जानने से पहले आपको यह जरूर जान लेना चाहिए कि आपके पैरों में होने वाले दर्द का प्रमुख कारण क्या होता है ? मुख्य रूप से अगर बात की जाए तो घुटनों में होने वाला दर्द टेंडइनाइटिस, गाउट, ऑस्टियोआर्थराइटिस, बेकर्स सिस्ट, बर्साइटिस जैसी मेडिकल कंडीशन के कारण होता है। इसके अलावा खेलकूद के दौरान लगने वाली चोट या फिर किसी दुर्घटना में गिरने के कारण भी घुटनों में दर्द की समस्या हो सकती है। नीचे आपको ऐसे दो खास देसी नुस्खे बताए जा रहे हैं जो सामान्य रूप से घुटने में होने वाले दर्द की समस्या को ठीक करने के लिए आपकी मदद कर सकते हैं।

सेब के सिरके का करें सेवन

सेब के सिरके में ऐसे कई औषधीय गुण मौजूद रहते हैं जो आपकी सेहत के लिए भी प्रभावी रूप से फायदेमंद साबित होते हैं। एक चम्मच सेब के सिरके को अगर आप गर्म पानी के साथ मिलाकर पीने के लिए इस्तेमाल करते हैं तो इसमें मौजूद पेन रिलीविंग गुण आपके घुटनों में होने वाले दर्द को दूर करने के लिए प्रभावी असर दिखा सकता है। आप इस तरह सेब के सिरके का दिन में दो बार सेवन कर सकते हैं। कोशिश करें कि खाना खाने के पहले इसका सेवन करें।

नींबू और तिल के तेल का इस्तेमाल

एक नींबू लें और उसे काटकर रस निकाल लें। अब दो चम्मच तिल के तेल में नींबू के रस को मिलाएं और हल्के हाथों अपने घुटनों पर इस मिश्रण की मालिश करें। रात में सोने से पहले और सुबह उठने के बाद यानी मॉर्निंग वॉक पर जाने से पहले आप इस देसी नुस्खे को ट्राय कर सकते हैं। नींबू में मौजूद एंटी इंफ्लेमेटरी गुण घुटनों में होने वाली सूजन को कम कर के दर्द को दूर कर सकता है।

एक बात का ध्यान रखें कि गंभीर मेडिकल कंडीशन होने के कारण आपको इस देसी नुस्खे का कोई खास फायदा नहीं मिलेगा और आपको मेडिकल ट्रीटमेंट की जरूरत भी पड़ेगी।

नोबेल शांति पुरस्कार की रेस में यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का नाम सबसे आगे

–नाटो के सचिव की भी चर्चा ग्रेटा थनबर्ग भी नामांकित

ओस्लो। नाटो के महासचिव और यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के नाम की चर्चा नोबेल शांति पुरस्कार के लिए सबसे तेज चल रही है। नोबेल नियमों के मुताबिक समिति को प्रस्तुत किये गए नामों की लिस्ट को कम से कम 50 साल तक सीक्रेट के तौर पर रखा जाता है। हालांकि जो लोग इस पुरस्कार के लिए लोगों को नामांकित करते हैं उनमें किसी भी देश के पूर्व पुरस्कार विजेता सांसद कैबिनेट मंत्री और कुछ विश्वविद्यालय के प्रोफेसर शामिल हैं। वे उन नामों का खुलासा करने के लिए स्वतंत्र होते हैं। अब तक जिन नामों का सार्वजनिक रूप से खुलासा किया गया है उनमें से अधिकांश नाम यूक्रेन में चल रहे लगभग एक साल के संघर्ष में शामिल हैं या रूसी राष्ट्रपति के विरोधी हैं। वहीं विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि नॉर्वेजियन नोबेल समिति अक्टूबर में इस साल के पुरस्कार की घोषणा कर सकती है। नॉर्वे की ग्रीन पार्टी की एक सांसद लैन मैरी बर्ग ने मंगलवार को कहा कि उन्होंने स्वीडिश एक्टिविस्ट ग्रेटा थनबर्ग का नाम दिया था। ऐसा माना जा रहा है कि वे कई वर्षों से इस लिस्ट में हैं लेकिन उनके कंपटीशन में युगांडा के वैनेसा नकाटे हैं। इसके अलावा तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन शामिल हैं जिन्हें यूक्रेन संकट को हल करने के उनके अथक प्रयासों के लिए पाकिस्तान के संसद के ऊपरी सदन के अध्यक्ष द्वारा प्रस्तावित किया गया था। वहीं नॉर्वे के सांसद क्रिश्चियन टायब्रिंग गेजेड ने यूक्रेन पर रूस के आक्रमण के तुरंत बाद फेसबुक पर संकेत दिया था कि वह यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की को नामित करेंगे। इसके अलावा उन्होंने नॉर्वेजियन जेन्स स्टोलटेनबर्ग को भी प्रस्तावित किया है। बता दें कि जिन अन्य लोगों को नामित किया गया है वे जेल में बंद पुतिन विरोधी हैं। उनमें भ्रष्टाचार विरोधी कार्यकर्ता अलेक्सी नवलनी जिन्हें जहर देने की कोशिश की गई थी। पीस रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ ओस्लो के प्रमुख हेनरिक उरडाल ने कहा कि हालांकि इसकी संभावना नहीं है कि नोबेल समिति 2023 में यूरोसेंट्रिक दिखने के जोखिम के चलते पुतिन पर एक और हमला करेगी।

यूक्रेन में सेक्स वर्कर बनाने वाले गिरोह का पर्दाफाश खेल में कई अधिकारी शामिल

कीव। रूस–यूक्रेन युद्ध के बीच एक बड़ी खबर आ रही है। यूक्रेन में वेश्यावृत्ति कराने वाले एक गिरोह का पर्दाफाश किया गया है। यूक्रेन की एसबीयू सुरक्षा सेवा ने बुधवार को कहा है कि आप्रवास अधिकारियों द्वारा चलाए जा रहे वेश्यावृत्ति के गिरोह को तोड़ दिया गया है। एसबीयू सुरक्षा सेवा ने कहा कि यह भ्रष्ट प्रथाओं को कुचलने और भ्रष्टाचार को खत्म करने के पश्चिमी मानकों को पूरा करने के अभियान का हिस्सा है। मीडिया के अनुसार एसबीयू ने कहा कि इस गिरोह का नेतृत्व राष्ट्रीय पुलिस के प्रवासन विभाग के अधिकारी कर रहे थे जो आम तौर पर विस्थापित लोगों के हितों की रक्षा के लिए जिम्मेदार होते हैं। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों में वर्दीधारी अधिकारियों की एक इमारत पर छापा मारने और कई पुरुषों को एक कमरे में रखने के साथ–साथ बड़ी मात्रा में नकदी और एक अपार्टमेंट में सोफे पर बैठी युवतियों की तस्वीरें शामिल हैं। एसबीयू ने अपने बयान में कहा है कि गिरोह का पर्दाफाश करने वाले वरिष्ठ अधिकारियों ने कीव और अन्य क्षेत्रों में वेश्यावृत्ति के लिए एक व्यापक 'संरक्षण' का पर्दाफाश किया है। इस गिरोह की मासिक आय लगभग 13 लाख यूएस डॉलर आंकी गई है। यह गिरोह 18–30 वर्ष की आयु की महिलाओं का फायदा उठाता था। इन महिलाओं को यूक्रेन और विदेशों के ग्राहकों को भेजा जाता था। इसके लिए ग्राहकों से 20 से 270 डॉलर तक चार्ज किया जाता था।

एक वीडियो संबोधन में राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने सुरक्षा सेवाओं को इन शर्मनाक घटनाक्रमों पर त्वरित एक्शन लेने के लिए धन्यवाद दिया है। बता दें कि रूस और यूक्रेन युद्ध को शुरू हुए इस साल 20 फरवरी को पूरे एक साल हो जाएंगे। संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार रूस के आक्रमण ने 70 लाख से अधिक लोगों को यूक्रेन छोड़ने के लिए मजबूर किया है। हालांकि लगभग आधे बाद में घर लौट आए।

सऊदी अरब में साल 2022 में 147 लोगों को फांसी दी गई

–मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्ट

दुबई। सुल्तान सलमान बिन अब्दुल अजीज अल सऊद और क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान के शासनकाल में सऊदी अरब में मौत की सजा असामान्य दर से बढ़ी है। मानवाधिकार संगठनों की रिपोर्ट के अनुसार पश्चिम एशिया के सबसे बड़े देश में पूर्व सुल्तान अब्दुल्ला बिन अब्दुल अज़ीज अल सऊद के तहत मृत्युदंड की संख्या दोगुनी से अधिक हो गई है। वहीं रिपोर्ट में मानवाधिकार उल्लंघन और प्रताड़ना जैसी घटनाएं भी बढ़ी हैं। 2015 में अब्दुल्ला की मृत्यु के बाद उनके सौतेले भाई सलमान बिन अब्दुल अजीज सुल्तान बने। मानवाधिकार संगठन की रिपोर्ट में बताया कि सऊदी अरब में औसत निष्पादन दर 2014 और 2016 के बीच 70.8 प्रतिशत थी। हालाँकि 2015 में सलमान के सऊदी अरब के सुल्तान बनने के बाद यह दर उस वर्ष बढ़कर 129.5 प्रतिशत हो गई! हाल के एक आँकड़ों से पता चलता है कि सऊदी अरब में मौत की सजा की दर में असामान्य रूप से वृद्धि हुई है क्योंकि प्रशासनिक कार्यों में क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान का उदय हुआ है। 2022 में उस देश में 147 लोगों को फांसी दी गई थी। उनमें से 81 केवल मार्च में! इनमें कई राजनीतिक आरोपी भी हैं। युवराज सलमान पर आलोचकों की हत्या करने का भी आरोप लगाया गया है। प्रिंस के कट्टर आलोचक पत्रकार जमाल खशोगी की 2018 में तुर्की के इस्तांबुल में सऊदी दूतावास में कथित तौर पर हत्या कर दी गई थी। आरोप है कि हत्या सलमान के कहने पर की गई है।

देश में फैल रहा हिंदूफोबिया : सांसद चंद्र आर्य

–कनाडा की संसद में उठा हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ का मुद्दा

ओटावा। कनाडा के ब्रैम्पटन में बीते दिनों एक प्रमुख हिंदू मंदिर गौरी शंकर मंदिर पर हमला किया गया। मंदिर में तोड़फोड़ के बाद खालिस्तान समर्थक नारे भी लिखे गए। इस बीच आज कनाडा की संसद में भारतीय मूल के सांसद चंद्र आर्य ने हमले की निंदा की और कनाडा में हिंदुओं के खिलाफ फैल रही नफरत का मुद्दा उठाया। कनाडाई सांसद आर्य ने कहा कि देश में हिंदूफोबिया जन्म ले रहा है और लगातार बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि हिंदुओं पर लगातार घृणा अपराध के मामले बढ़ रहे हैं और हिंदू अब काफी दुखी हैं। आर्य ने कहा कि पहले ये सभी घृणा कार्य सोशल मीडिया पर होते थे पर अब यह शारीरिक हिंसा में बदल गए हैं। आर्य ने इसी के साथ कनाडा की सरकार से हिंदुओं की सुरक्षा की अपील की। उन्होंने कहा कि मुस्लिमों की तरह अब कनाडा में हिंदुओं को भी निशाना बनाया जा रहा है। कनाडा के ब्रैम्पटन में दो दिन पहले गोरीशंकर मंदिर पर हमला किया गया था और खालिस्तान समर्थक नारे भी लिखे गए थे। मंदिर की दीवारों पर खालिस्तानी नारे तो लिखे ही गए हिंदू विरोधी नारे भी लिखे गए। कनाडा में हिंदू और धर्म आधारित हमलों में इजाफा हुआ है। घृणा अपराधों में 72 फीसद तक का उछाल आया है। वैंकूवर में ऐतिहासिक कोमागाटा मारू स्मारक को भी लगातार तीसरी बार तोड़ा गया है। स्मारक में 376 भारतीयों को सम्मानित किया गया है जिनमें सिख मुस्लिम और हिंदू शामिल हैं। 1914 में भारत से कनाडा के लिए रवाना हुए इन लोगों को देश वापस भेज दिया गया था जिससे वे दो महीने तक जहाज पर ही अटक गए थे जिनमें से कुछ की मौत भी हो गई थी। इसके बाद कनाडा ने माफी मांगकर उन्हें सम्मानित भी किया।

अमेरिकी विदेश मंत्री ने मस्जिद में हुए आतंकवादी हमले की निंदा की

वाशिंगटन। अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने पाकिस्तान के पेशावर की मस्जिद में हुए आतंकवादी हमले की निंदा कर कहा कि अमेरिका हर तरह के आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए पाकिस्तान के साथ ''खड़ा'' है। ब्लिंकन ने कहा ''अमेरिका 30 जनवरी को पेशावर के पुलिस लाइंस जिले की एक मस्जिद में हुए बम विस्फोट की कड़ी निंदा करता है। ब्लिंकन ने कहा ''हम आतंकवाद के इस मूर्खतापूर्ण कृत्य के कारण अपनी जान गंवाने वाले लोगों के परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं।''

सियोल में दक्षिण कोरियाई और अमेरिकी वायुसेना ने एक संयुक्त अभ्यास शुरु किया। इसमें दक्षिण कोरिया के एफ 35 ए फाइटर और अमेरिका के बी 1बी विमानों ने हिस्सा लिया।

आईसीईटी पर भारत–अमेरिका की पहल दोनों देशों के लिए महत्वपूर्ण : जो बाइडन

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन का मानना है कि 'क्रिटिकल एंड इमर्जिंग तकनीक (आईसीईटी) पर भारत–अमेरिका की पहल दोनों देशों के वास्ते एक लोकतांत्रिक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए महत्वपूर्ण है। व्हाइट हाउस ने इसकी जानकारी दी। भारत–अमेरिका संबंधों में आईसीईटी को नेक्स्ट बिग थिंग (एक बड़ा कदम) बताया जा रहा है। व्हाइट हाउस में अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जेक सुलिवन और भारत के अजित डोभाल द्वारा इसकी शुरुआत की गई थी। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन ज्यां–पियरे ने कहाराष्ट्रपति का मानना है कि यह पहल अमेरिका और भारत के लिए एक लोकतांत्रिक प्रौद्योगिकी पारिस्थितिकी तंत्र बनाने और हमारे लोकतांत्रिक मूल्यों व हमारे लोकतांत्रिक संस्थानों को मजबूत करने के लिए महत्वपूर्ण है। इसलिए हम इस भारत के साथ बेहद महत्वपूर्ण पहल और साझेदारी के रूप में देखते हैं। आईसीईटी का मई 2022 में तोक्यो में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन के बीच बैठक के बाद पहली बार एक संयुक्त बयान में उल्लेख किया गया था। इसका मकसद दोनों देशों की सरकारों व्यवसायों और शैक्षणिक संस्थानों के बीच सामरिक प्रौद्योगिकी साझेदारी तथा रक्षा औद्योगिक सहयोग को बढ़ाना तथा उस विस्तार देना है।

पाकिस्तान की आर्थिक कंगाली के लिए ये पांच लोग जिम्मेदार

–मरियम नवाज ने तीन लोगों के नाम सार्वजनिक किए

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान की आर्थिक कंगाली का जिम्मेदार आखिरकार कौन हैं? ये सवाल शायद आज पाकिस्तान की पूरी जनता पूछ रही है कि आखिर कैसे पाकिस्तान कंगाली के इतने करीब पहुंच गया हैं। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी और पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) की उपाध्यक्ष मरियम नवाज हाल ही में लंदन से लौटकर पाकिस्तान के मौजूदा हालात पर बयानबाजी की हैं। उन्होंने पाकिस्तान की बुरी दुर्दशा के लिए पांच लोगों को जिम्मेदार माना हैं। इसके अलावा मरियम नवाज ने पेशावर में हुए आतंकी हमले के लिए भी आईएसआई के पूर्व अधिकारी की आलोचना की हैं और आरोप लगाया है कि आईएसआई ने ही आतंकवादियों के लिए दरवाजे खोले थे।

मरियम नवाज ने देश की बर्बादी के पीछे के पांच लोगों की लिस्ट जारी की हैं। पांच लोगों में पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के चेयरमैन इमरान खान पाकिस्तान के पूर्व चीफ जस्टिस साकिब निसार और आसिफ सईद खोसा का नाम उजागर किया है। इसके अलावा उन्होंने दो और लोगों के शामिल होने की बात कही है लेकिन उनका नाम उजागर नहीं किया हैं। मरियम ने दोनों लोगों के बारे में हिंट देते हुए कहा कि ये बाकी दोनों शख्स इमरान के शागिर्द हैं। मरियम ने कहा कि यह समझना जरूरी है कि देश आज इतनी बुरी स्थिति तक कैसे पहुंचा।

रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के बाद अब पेशावर मस्जिद हमले पर मरियम नवाज का भी बयान सामने आया हैं। मरियम ने पूर्व आईएसआई प्रमुख की आलोचना की हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि आईएसआई ने ही आतंकवादियों के लिए दरवाजे खोले थे। मरियम ने पेशावर में उच्च सुरक्षा वाले क्षेत्र

की एक मस्जिद में आत्मघाती हमले के लिए पूर्व आईएसआई प्रमुख जनरल फैज हामिद को जिम्मेदार ठहराया है। इस हमले में 97 पुलिसकर्मियों सहित 101 लोग मारे गए थे। सत्तारूढ़ पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) की वरिष्ठ उपाध्यक्ष मरियम ने कहा पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के अध्यक्ष इमरान खान के मददगार जनरल फैज हामिद जो पेशावर में तैनात थे (कोर कमांडर के रूप में) पेशावर हमले के लिए जिम्मेदार थे।

मेरा सिर्फ अपराध इतना हैं कि मैं इमरान के साथ खड़ा हूं : शेख रशीद

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व गृह मंत्री और अवामी मुस्लिम लीग (एएमएल) के प्रमुख शेख रशीद अहमद को गुरुवार सुबह गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने बताया कि उन्हें मुर्री मोटरवे से गिरफ्तार किया गया है। रशीद को पूर्व पीएम इमरान के करीबी के रूप में जाना जाता है। हालांकि रशीद और उनके भतीजे ने पुलिस के बयान का खंडन करते हुए कहा कि अधिकारियों ने उन्हें मोटरवे के बजाय रावलपिंडी स्थित उनके घर से हिरासत में लिया। इसके पहले इमरान के एक और करीबी पीटीआई नेता फवाद चौधरी को गिरफ्तार किया गया था। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) रावलपिंडी डिवीजन के अध्यक्ष राजा इनायत उर रहमान ने इस्लामाबाद के आबपारा पुलिस स्टेशन में रशीद के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। रशीद ने आरोप लगाया था कि पाकिस्तान के पूर्व राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी पीटीआई चीफ की हत्या की साजिश रच रहे हैं। खुद इमरान ने जनवरी में आरोप लगाया था कि जरदारी उनके खिलाफ हत्या की साजिश रच रहे हैं और इसके लिए धन मुहैया करा रहे हैं जिसके लिए उन्होंने आतंकवादियों को काम पर रखा है। पीटीआई चीफ ने आरोप लगाया था इस साजिश के पीछे जरदारी हैं। उन्होंने भ्रष्टाचार के जरिए बहुत पैसा कमाया है और पैसे को आतंकवादियों में निवेश किया है और एक उग्रवादी संगठन को काम पर रखा है।

पाकिस्तान में हालात बिगड़ने पर न्यूक्लियर बम को अपने कब्जे में ले लेगा अमेरिका

वाशिंगटन (एजेंसी)। देश के सांख्यिकी ब्यूरो द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कंगाल पाकिस्तान में मुद्रास्फीति 48 साल के उच्च स्तर पर है जहां अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष तत्काल वार्ता के लिए जा रहा है। जनवरी 2023 में साल-दर-साल मुद्रास्फीति 27.55 प्रतिशत दर्ज की गई जो मई 1975 के बाद से सबसे अधिक है। इनदिनों पाकिस्तानी अर्थव्यवस्था गंभीर संकट में है। दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी आबादी के पास स्टेट बैंक में 3.7 बिलियन डॉलर से कम है। कई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अगर पाकिस्तान के हालात में सुधार नहीं हुआ तब मई तक वहां डिफॉल्ट कर जाएगा। इसके बाद पाकिस्तान में सिविल वॉर और इसके टूटने तक के दावे कई रिपोर्ट में किए जाने लगे हैं। अगर पाकिस्तान तबाह हो गया तब इसके न्यूक्लियर बम का क्या होगा? आतंक का पनाहगाह पाकिस्तान का न्यूक्लियर बम हमेशा से दुनिया के लिए खतरा बना है। इसके बाद जिस तरह के देश के मौजूदा हालात हैं कोई भी कट्टरपंथी गुट द्वारा वहां की सत्ता पर काबिज होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता है। फिर परमाणु शक्ति से लैस देश में आई अस्थिरता दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा साबित हो सकती है।

पाकिस्तान में ऐसा भी हो सकता है इस संभावना को अमेरिका ने बहुत पहले ही भांप लिया था। इतना ही नहीं ऐसी नौबत आने पर क्या करना है इसकी भी पूरी तैयारी कर रखी है। अमेरिका ने पाकिस्तान के लिए एक इमरजेंसी प्लानिंग की है जिसका नाम स्नैच एंड ग्रैब है। इसका मतलब है हथियारों को छीनकर अपने कब्जे में रख लो। 9/11 के टेरर अटैक के बाद से पाकिस्तान पर अमेरिका की पैनी निगाहें बनी हुई है। पाकिस्तान ही इकलौता इस्लामिक देश है जो न्यूक्लियर हथियारों से लैस है। इसके बाद अगर ये गलत हाथों में चले गए तब पूरी दुनिया के लिए एक बड़ा खतरा बन सकते हैं। 2007 की रिपोर्ट के अनुसार पाकिस्तान के न्यूक्लियर हथियार को सुरक्षित रखने के लिए अमेरिका ने 2001 से 2007 तक 10 करोड़ डॉलर खर्च किए हैं।

2004 और 2011 की घटना के बाद अमेरिका पूरी तरह से चौकस हो गया। मीडिया रिपोर्ट में इस बात का दावा भी किया गया था कि अगर अमेरिकी राष्ट्रपति को लगता है कि पाकिस्तान के हथियार उसके देश या हितों के लिए खतरा हैं तब वहां स्नैच एंड ग्रैब प्लान को सक्रिय कर देने वाले हैं। बता दें कि साल 2022 में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने परमाणु हथियारों वाले पाकिस्तान को दुनिया के लिए खतरा बताया था।

5 लाख सैनिक बॉर्डर पर तैनात, फरवरी में रूस ऐसा क्या करने जा रहा है जिससे घबराए यूक्रेन के रक्षामंत्री

इस्लामाबाद (एजेंसी)। यूक्रेन के रक्षा मंत्री ने कहा है कि रूस एक बड़े नए हमले की तैयारी कर रहा है। इसके साथ ही यूक्रेनी मंत्री ने चेतावनी दी है कि रूस का ये हमला 24 फरवरी तक शुरू हो सकता है। ओलेक्सी रेज़निकोव ने कहा कि मास्को ने हजारों सैनिकों को एकत्र किया है। 23 फरवरी को रूस अपना सैन्य दिवस मनाता है, ऐसे में आशंका है कि इस दिन भी रूस, यूक्रेन पर तगड़ा अटैक कर सकता है। रेज़निकोव ने कहा कि मॉस्को ने संभावित आक्रमण के लिए लगभग 500,000 सैनिकों को जुटाया था। सितंबर में, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने लगभग 300,000 अनिवार्य सैनिकों की एक सामान्य लामबंदी की घोषणा की, जो उन्होंने कहा कि देश की ÷क्षेत्रीय अखंडता÷ सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक था।

रक्षा मंत्री अतिरिक्त एमजी-200 हवाई रक्षा राडार खरीदने के लिए एक सौदा करने के लिए फ्रांस में थे, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि पंखों वाली और बैलिस्टिक मिसाइलों और विभिन्न प्रकार के ड्रोन सहित हवाई लक्ष्यों का पता लगाने के लिए सशस्त्र बलों की क्षमता में काफी वृद्धि होगी। रेज़निकोव की टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन की ख़ुफ़िया एजेंसियों का आरोप है कि राष्ट्रपति पुतिन ने अपनी सेना को वसंत ऋतु के अंत से पहले डोनबास पर क़ब्ज़ा करने का आदेश दिया है।

बता दें कि जर्मनी, अमेरिका और ब्रिटेन द्वारा टैंक भेजने पर सहमत होने के बाद यूक्रेन ने हाल ही में हवाई हमलों से खुद को बचाने में मदद के लिए लड़ाकू विमानों की मांग फिर से शुरू की है। कीव के अधिकारियों ने पश्चिमी देशों से बार-बार अपील की है कि उसे लड़ाकू विमानों की आपूर्ति की जाए। उन्होंने कहा कि रूस की हवाई क्षेत्र में सर्वोच्चता को चुनौती देने तथा भविष्य के हमलों का जवाब देने के लिए यह जरूरी है। इस तरह का कोई संकेत नहीं है कि यूक्रेन को लड़ाकू विमानों की आपूर्ति का फैसला निकट भविष्य में आ सकता है और इस तरह का संकेत भी नहीं है कि पश्चिमी देशों ने इस मुद्दे पर अपने पहले के रुख को बदल लिया है।

भारत के रक्षा बजट से 'चिढ़ा' चीन, सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स ने कहा- इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं होगा

बीजिंग (एजेंसी)। देश की राष्ट्रीय सुरक्षा की दिशा में एक प्रमुख जोर देते हुए नरेंद्र मोदी सरकार ने वित्त वर्ष 2023-24 के लिए रक्षा बजट को लगभग 13 प्रतिशत बढ़ाकर 5.93 लाख करोड़ रुपये कर दिया, जबकि 2022-23 में यह 5.25 लाख करोड़ रुपये था। अब भारत के इस कदम से चीन पूरी तरह से बौखलाय हुआ नजर आ रहा है। चीन के सरकारी भोंपू ग्लोबल टाइम्स के संपादक हू शिजिन ने भारत के रक्षा बजट से लेकर अमेरिकी साझेदारी को लेकर तंज कसा है। ग्लोबल टाइम्स और सोशल मीडिया के जरिए चीन के झूठे राष्ट्रवाद को भड़काने वाले हू

शिजिन ने भारत के रक्षा बजट में बढ़ोतरी को लेकर निशाना साधा है। उन्होंने ट्विटर पर लिखा कि भारत का अंतिम लक्ष्य सीमा पर चीन से मुकाबला करना नहीं होगा। इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं होगा। भारत की महत्वाकांक्षा हिंद महासागर को पूरी तरह से नियंत्रित करने और इसे भारत के 'अंतर्देशीय समुद्र' में बदलने की है।

इसके साथ ही हू शिजिन ने अमेरिका भारत को चीन के लिए आपूर्ति-श्रृंखला विकल्प के रूप में देखता है वाले वॉल स्ट्रीट जनरल की एक रिपोर्ट का स्कीनशॉट शेयर करते हुए यदि भारत विश्व आपूर्ति श्रृंखला में चीन की स्थिति को बदल सकता है, तो वह इसे बहुत पहले ही बदल चुका होता। अब राजनेता बाजार के स्वामी बनना चाहते हैं और अमेरिका वैश्विक स्तर की नियोजित अर्थव्यवस्था में संलग्न होना चाहता है। मैं व्हाइट हाउस की हिम्मत और महत्वाकांक्षा की प्रशंसा करता हूं। बता दें कि भारत समेत दुनियाभर के देशों के खिलाफ हू शिजिन ट्विटर पर जहर उगलता रहता था। इसी वजह से उसे 'ट्रोल किंग' कहा जाता था।

दुनिया में एक और जंग की आहट ! गाजा ने दाग दी रॉकेट तो इजराइल ने कर दी मिसाइलों से हमला

यरुशलम। रॉकेट से हवाई हमले कर गाजा का इजराइल को आंख दिखाना महंगा पड़ गया है। गाजा ने इजराइल पर रॉकेट दागे जिसके जवाब में इजराइल ने भी मिसाइलों की बरसात कर दी और इस तरह एक बार फिर से इस इलाके में तनाव बढ़ गया है। दरअसल इजराइल की जेलों में फिलिस्तीनी महिला कैदियों पर हमले की तस्वीरें आने के बाद गाजा ने इजराइल पर दो मिसाइलें दागकर जवाब दिया था। हालांकि इजराइल ने दावा किया कि उनकी सेना ने गाजा के दोनों मिसाइलों को हवा में ही मार गिराया। गाजा के अटैक के बाद इजराइल ने काउंटर अटैक किया और गाजा पट्टी में अलग–अलग जगहों पर हवाई हमले शुरू कर दिए। इजराइल ने खासकर हमास आतंकी ग्रुप के उन कैंपों पर मिसाइलें दागीं जहां से इजराइल पर हमले किए गए थे। हालांकि गाजा ने भी जवाबी कार्रवाई में गोलाबारी की और एक एसएएम–7 मिसाइल दागी। इसके जवाब में फिर से गाजा पर विशेष रूप से हमास आतंकवादी समूह बेस कैंप पर इजरायल ने हवाई हमले शुरू कर दिए। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इजरायली सेना ने कहा कि गुरुवार तड़के उसने रॉकेट के जवाब में गाजा पट्टी में टारगेट्स पर हमला करना शुरू कर दिया।

250 रुपए लीटर पेट्रोल और 150 रुपए किलो आटा देख लोग करने लगे पाकिस्तान को टाटा, कंगाली के बीच 8 लाख युवाओं ने छोड़ा देश

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान कुछ दिनों में कंगाल होने वाला है। हर दिन वहां के नेताओं के बारे में नए-नए खुलासे सामने आते रहते हैं। पाकिस्तान के राजनीतिक हालात भी अस्थिर स्थित में हैं। लोगों के पास खाने को अनाज नहीं है। खर्च करने के लिए पैसा खत्म हो चुका है। हालात इतने बदतर हो चुके हैं कि पाकिस्तान को कोई दूसरा देश कर्ज देने के लिए तैयार नहीं है। इन सब के बीच पाकिस्तान के सामने एक नई मुसीबत सामने आ गई है। दरअसल, तेजी से बर्बादी की तरफ बढ़ रहे पाकिस्तान को अब उसी की जनता छोड़कर भाग रही है। 250 रुपए लीटर पेट्रोल और 150 रुपए किलो आटा देख लोग पाकिस्तान को टाटा कर रहे हैं।

एक रिपोर्ट के मुताबिक टीटीपी के आतंकी हमलों और देश की बदहाली को देख आठ लाख युवाओं ने पाकिस्तान को छोड़ दिया है। पाकिस्तान में बिजली कटौती की वजह से अंधकार है। लेकिन पाकिस्तान के युवा अपने भविष्य को अंधेरे में नहीं धकेलना चाहते हैं। ताजा आंकड़ों के मुताबिक पिछले साल आठ लाख पाकिस्तानी युवाओं ने देश को अलविदा कह दिया। अब इन युवा पाकिस्तानियों के लिए कनाडा नया ठिकाना बनता जा रहा है। कनाडा बड़ी तादाद में विदेशियों को बुला रहा है।

पाकिस्तान वैसे तो आतंकवाद को पालने के लिए जाना जाता है, लेकिन वो खुद ही आतंकवाद का दंश झेल रहा है। 22 करोड़ की आबादी वाले पाकिस्तान में एक ही साल में आठ लाख युवा नौकरी की तलाश में विदेश चले गए। ये आकंड़ा कोरोना काल के पहले से भी ज्यादा है। पाकिस्तान में इस खुलासे से यहां के हुक्मरान भी परेशान है। पाकिस्तानी युवा कम उम्र में ही विदेश जाकर नौकरी पाना चाहते हैं। यहां 30 साल तक की उम्र का हर तीन में से एक पाकिस्तानी ऐसा ही सोचता है। यूनिवर्सिटी में पढ़े बच्चों में ये ट्रेंड 50 प्रतिशत है। पाकिस्तान से विदेश जा रहे युवाओं पर मंत्री एहसान इकबाल ने चिंता जताई है।

संत-सनातनी एक हो गए तो भारत बन जाएगा हिंदू राष्ट्र: धीरेंद्र शास्त्री

प्रयागराज (एजेंसी)। बागेश्वर धाम के अनन्य भक्त आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री गुरुवार की सुबह प्रयागराज पहुंच गए हैं। सुबह उन्होंने संगम स्नान किया। इसके बाद खाकचौक व्यवस्था समिति के महामंत्री महामंडलेश्वर संतोष दास सतुआ बाबा के शिविर में संतों से मुलाकात कर रहे हैं। शिविर में चुनिंदा संत मौजूद हैं। श्री बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर आचार्य धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने संगम तीरे से हिंदू राष्ट्र की आवाज को मुखर किया। संगम स्नान के बाद महामंडलेश्वर संतोषदास सतुआ बाबा के शिविर में संतों से मुलाकात की। महंत दामोदर दास महंत जयराम दास महामंडलेश्वर हिटलर बाबा महंत शशिकांत दास आदि महात्माओं से चर्चा करते हुए कहा कि हिंदू राष्ट्र के लिए हर पंथ व परंपरा के संतों का एकजुट होना जरूरी है।

संत व सनातनी एक हो गए तो भारत को हिंदू राष्ट्र बनने से कोई रोक नहीं सकता। उन्होंने कहा कि हिंदू राष्ट्र बनने से सनातन धर्म का वैभव बढ़ेगा साथ ही अन्याय खत्म होगा। इस पर संतोषदास ने उन्हें पूरा समर्थन देने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि आचार्य धीरेंद्र का काम धर्म व राष्ट्र के हित में है। खाकचौक से जुड़े महात्मा उन्हें पूरा समर्थन देंगे। इसके बाद हजारों की भीड़ को संबोधित करते हुए कहा कि हर सनातनी एकजुट होकर राष्ट्रहित में काम करें।

आचार्य धीरेंद्र पर एक वर्ग ने पाखंड फैलाने का आरोप लगाया है। इसके बाद उनके पक्ष व विपक्ष में आवाज उठ रही है। इससे लगातार सुर्खियों में बने हैं। इसके बाद उनका मेजा में कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है जिसको लेकर प्रशासन सतर्क है। सुरक्षा व्यवस्था को लेकर डीसीपी यमुनानगर दीपक भूपर डीसीपी क्राइम एसडीएम विनोद कुमार पांडेय एसीपी मेजा विमल किशोर मिश्रा कोतवाल मेजा ज्ञानेश्वर मिश्र सहित तमाम अधिकारी दिनभर व्यवस्था में जुटे रहे। आयोजक भाजपा नेता इंद्रदेव शुक्ल ने बताया कि आचार्य धीरेंद्र कृष्ण ने बताया कि सारी तैयारियां पूरी हो गई हैं। वहीं उनके दरबार में शामिल होने के लिए काफी लोग बुधवार को ही आयोजन स्थल पर पहुंच गए थे।

आरोपी की मौत के बाद उसके उत्तराधिकारी से वसूला जा सकता है जुर्माना : हाईकोर्ट

बेंगलुरू । कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि आरोपी की मौत होने पर उसकी संपत्ति या उसके उत्तराधिकारियों से जुर्माना वसूला जा सकता है। न्यायमूर्ति शिवशंकर अमरनवर की अध्यक्षता वाली पीठ ने हासन के दिवंगत टोटिल गौड़ा की याचिका पर गौर करते हुए यह आदेश दिया। जिंदा रहते हुए उन्होंने यह अर्जी दाखिल की थी। खंडपीठ ने कहा कि याचिकाकर्ता को उसकी मौत के मामले में भी अदालत के आदेश के अनुसार जुर्माना भरने की जवाबदेही से छूट नहीं मिलेगी। याचिकाकर्ता की मृत्यु के बाद परिवार के किसी भी सदस्य ने मामले को जारी रखने के लिए याचिका प्रस्तुत नहीं की है। दिवंगत टोटाइल गौड़ा के वकील ने प्रस्तुत किया कि कानूनी उत्तराधिकारी याचिका को जारी नहीं रखना चाहते हैं। पीठ ने कहा कि संपत्ति के उत्तराधिकारी को जुर्माने का भुगतान करना चाहिए। हसन के अतिरिक्त सत्र न्यायालय ने 12 दिसंबर 2011 को याचिकाकर्ता स्वर्गीय टोटिल गौड़ा को विद्युत अधिनियम के तहत 29204 रुपए का जुर्माना लगाया था। टोटिल गौड़ा ने उच्च न्यायालय के समक्ष अपील दायर की और निचली अदालत के आदेश पर सवाल उठाया लेकिन हाईकोर्ट में याचिका पर सुनवाई के दौरान टोटिल गौड़ा की मौत हो गई। उच्च न्यायालय ने याचिकाकर्ता की मृत्यु की पृष्ठभूमि में अपील याचिका को खारिज कर दिया। कोर्ट ने दोषी की संपत्ति से या संपत्ति के उत्तराधिकारियों से जुर्मार्ने की रकम वसूलने का आदेश दिया।

'खुला' के जरिये निकाह भंग कर सकती हैं मुस्लिम महिलाएं, मद्रास हाई कोर्ट ने प्रमाण पत्र किया रद्द

चेन्नई। मद्रास उच्च न्यायालय ने फैसला सुनाया है कि एक मुस्लिम महिला के लिए यह खुला है कि वह 'खुला' (पत्नी द्वारा शुरू की गई तलाक की कार्यवाही) द्वारा शादी को भंग करने के अपने अविच्छेद्य अधिकार का प्रयोग परिवार अदालत से संपर्क करके कर सकती है। मद्रास उच्च न्यायालय ने अपने एक निर्णय में कहा है कि मुस्लिम महिलाओं के पास यह विकल्प है कि वे 'खुला' (तलाक के लिए पत्नी द्वारा की गई पहल) के जरिये अपनी शादी को समाप्त करने के अधिकार का इस्तेमाल परिवार अदालत में कर सकती हैं, 'शरीयत काउंसिल' जैसी निजी संस्थाओं में नहीं। निजी संस्थाओं द्वारा जारी ऐसे खुला प्रमाणपत्र इसलिए अमान्य हैं। खुला पत्नी को दिए गए तलाक का वह रूप है जो पति को दिए गए तलाक के समान है। अपनी पत्नी को जारी किए गए खुला प्रमाण पत्र को रद्द करने की प्रार्थना करने वाले एक व्यक्ति की रिट याचिका पर अपने फैसले में न्यायमूर्ति सी सरवनन ने शरीयत परिषद तमिलनाडु तौहीद जमात द्वारा 2017 में जारी किए गए प्रमाण पत्र को रद्द कर दिया। एक व्यक्ति ने अपनी पत्नी को जारी किए गए 'खुला' प्रमाणपत्र को रद्द करने का अनुरोध करते हुए उच्च न्यायालय में एक रिट याचिका दायर की थी। न्यायमूर्ति सी. सरवनन ने इस मामले में अपने फैसले में शरीयत काउंसिल 'तमिलनाडु तौहीद जमात' द्वारा 2017 में जारी प्रमाणपत्र को रद्द कर दिया। फैसले में कहा गया है कि मद्रास उच्च न्यायालय ने बदीर सैयद बनाम केंद्र सरकार, 2017 मामले में अंतरिम स्थगन लगा दिया था और उस विषय में 'प्रतिवादियों (काजियों) जैसी संस्थाओं द्वारा 'खुला' के जरिये विवाह-विच्छेद को सत्यापित करने वाले प्रमाणपत्र जारी किये जाने पर रोक लगा दिया था।

हैदराबाद में एक गोदाम में लगी भीषण आग, कोई हताहत नहीं

हैदराबाद। हैदराबाद के एक गोदाम में बृहस्पतिवार सुबह भीषण आग लग गई। घटना में किसी के हताहत होने की कोई खबर नहीं है। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, आग चिक्कड़पल्ली इलाके के एक गोदाम में लगी, जिसमें रखे टेंट और सजावट का कुछ सामान जलकर खाक हो गया। आग के आसपास के परिसर में फैलने से एक कार्यालय आंशिक रूप से जल गया। पुलिस ने बताया कि घटना की सूचना मिलते ही दमकल की 10 से अधिक गाड़ियां मौके पर भेजी गईं और आग पर काबू पाया गया। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। अधिकारी ने बताया कि शुरुआती जांच में ऐसा प्रतीत होता है कि आग शॉर्ट-सर्किट होने की वजह से लगी। हालांकि, जांच पूरी होने पर ही इसकी उचित वजह पता चल पाएगी।

मुंबई एयरपोर्ट में 33.60 करोड़ का ड्रग्स जब्त एक गिरफ्तार

मुंबई । पिछले कुछ महीनों से भारत में ड्रग्स की स्मगलिंग बढ़ गई है. खास कर गुजरात के समुद्री बंदरगाह और मुंबई एयरपोर्ट से बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद हो रहे हैं. ऐसी कड़ी में मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर डिपार्टमेंट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस (डीआरआई) के अधिकारियों ने अदिदि अबाबा से आए एक भारतीय यात्री के पास से 33 करोड़ 60 लाख रुपए की कोकीन जब्त की है. खास बात यह है कि 3360 किलो ड्रग्स साबुन की शक्ल में छुपा कर लाया गया था. डीआरआई अधिकारियों को इस यात्री पर शक हुआ. इसके बाद तलाशी ली गई. जब सामानों की तलाशी ली जा रही थी तब अधिकारियों के हाथ एक साबुन आया. साबुन की तलाशी ली गई तो सच सामने आया. दरअसल तलाशी के दौरान अधिकारियों को एक खोखा मिला. यह खोखा एक साबुन का था. इस कवर में अधिकारियों को एक सफेद रंग का साबुन दिखाई दिया. जब उसकी ठीक तरह से जांच की गई तो अधिकारियों के हाथ में वैक्स चिपकने लगा. इसके बाद अधिकारियों ने साबुन को घिसना शुरू किया. वैक्स घिसने के बाद अंदर एक साबुन जैसा ही टुकड़ा दिखाई दिया. लेकिन यह साबुन नहीं था. ठीक तरह से जांच करने पर पता चला कि यह तो साबुन नहीं बल्कि कोकीन है. कोकीन के इस स्टॉक का वजह करने पर यह 3360 ग्राम का निकला. अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 33 करोड़ 60 लाख रुपए आंकी गई है. अदिदि अबाबा से आए इस भारतीय यात्री को डीआरआई अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया.

पश्चिम बंगाल के हावड़ा में आग से 20 दुकानें जलकर खाक, कोई हताहत नहीं

हावड़ा। पश्चिम बंगाल के हावड़ा जिले में बृहस्पतिवार को तड़के आग लगने से कम से कम 20 दुकानें जलकर खाक हो गईं। एक अग्निशमन अधिकारी ने यह जानकारी दी। अधिकारी के मुताबिक, घटना बगनान सेंट्रल बस स्टैंड से सटे रजिस्ट्री गली इलाके में हुई। आग से किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। अग्निशमन अधिकारी ने बताया कि मौके पर दमकल की चार गाड़ियां भेजी गई। दो घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया। अधिकारी के मुताबिक, पुलिस को संदेह है कि पहले शॉर्ट सर्किट की वजह से आग एक दुकान में लगी जो अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों में फैल गई। दुकानदारों ने इस घटना में एक करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान होने का दावा किया है। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

अन्य धर्मों के व्यापारियों को मंदिर परिसर में जाने से रोकने की मांग

-विहिप व बजरंग दल ने कर्नाटक के तुमकुरु शहर के उपायुक्त को सौंपी याचिका

तुमकुरु (कर्नाटक)। विश्व हिंदू परिषद (विहिप) और बजरंग दल ने कर्नाटक के तुमकुरु शहर के उपायुक्त को एक याचिका सौंपी है जिसमें अधिकारियों से कहा गया है कि त्योहार मनाने के दौरान अन्य धर्मों के व्यापारियों को ऐतिहासिक मंदिर के भीतर व्यापार करने से रोका जाए। तीन दिवसीय उत्सव गुरुवार से ऐतिहासिक गोसला गुब्बी चन्नबासवेश्वर मंदिर में शुरु होने जा रहा है। ऐसे में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए प्रशासन ने इलाके में पहले से ही सुरक्षा बढ़ा दी है। अपनी याचिका में दो हिंदू समूहों ने चेतावनी दी कि अगर ऐसे व्यापारियों को मंदिर के परिसर में या 100 मीटर के आसपास प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से व्यापार करने की अनुमति दी जाती है तो वह विरोध करेंगे। उन्होंने पुलिस विभाग से इस संबंध में मुजरई विभाग में कानून की धाराओं का क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का भी अनुरोध किया है। वीएचपी के अध्यक्ष जीके श्रीनिवास ने कहा कि अन्य धर्मों के लोगों के लिए मंदिरों के परिसर में और किराए पर व्यापार करने की कोई गुंजाइश नहीं है। इस कानून को लागू किया जाना चाहिए।

नक्सल विरोधी अभियान में सीआरपीएफ को बड़ी सफलता भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद

नई दिल्ली। केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) को नक्सल विरोधी अभियान में फिर बड़ी सफलता मिली है। सीआरपीएफ की कोबरा बटालियन और झारखंड पुलिस के संयुक्त अभियान में सुरक्षा बलों ने झारखंड के लातेहार में भारी मात्रा में नक्सलियों के हथियार और गोला बारूद बरामद किए हैं। गुप्त सूचना के आधार पर झारखंड के लातेहार के नवाटोली के वन क्षेत्र जोकपानी में सीआरपीएफ की 209 कोबरा बटालियन और झारखंड पुलिस की संयुक्त टीम द्वारा तलाशी अभियान चलाया गया। इस ऑपरेशन के दौरान नक्सलियों के ठिकानों से भारी मात्रा में हथियार और गोला बारूद बरामद किए गए। बरामद किए गए सामान में 5.56 इंसास एलएमजी दो 7.62 एसएलआर राइफल एक 5.56 इंसास राइफल 13 मिश्रित मैगजीन और 470 मिश्रित राउंड गोलियां शामिल हैं।

भँवरे ने खिलाया फूल, फूल को ले गया हिंडनबर्ग... अडानी को लेकर कांग्रेस ने साधा निशाना

नई दिल्ली (एजेंसी)। अडानी समूह को लेकर संसद में जारी विवाद के बीच कांग्रेस ने कहा कि अब समय आ गया है कि एलआईसी के नारे को जिंदगी के साथ भी, जिंदगी के बाद भी से बदलकर जिंदगी के साथ थी, अब आडानीजी के साथ है कर दिया। कांग्रेस नेता पवन खेड़ा ने कहा कि नियम कायदों की उपेक्षा कर बीस साल की मेहनत से पीएम मोदी ने एक गुब्बारा फुलाया और वो फुस्स हो गया। उन्होंने तीखा तंज कसते हुए कहा कि पीएम मोदी अडानी के उपदेशक हैं इसलिए वो एकदम चुप हैं। जबकि एलआईसी के हजारों निवेशकों का सवाल है। अडानी की कंपनियों पर एलआईसी मेहरबान है।

पवन खेड़ा ने कहा कि हमारे बचपन में एक गाना था 'भंवरे ने खिलाया फूल'... फूल को ले गया हिंडनबर्ग। नरेंद्र मोदी के मुख्यमंत्री रहने के समय से लेकर अब तक के 20 साल के प्रयास का भंडाफोड़ हो गया।, अगर यह मोदीजी और अडानीजी के बीच का मामला होता तो हम सब चुप रहते। जैसा कि कांग्रेस ने एक संयुक्त संसदीय समिति या सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जांच की मांग उठाई, कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि अडानी मुद्दे पर सरकार 'स्पष्ट रूप से घिरी हुई' है और इसलिए राज्यसभा और लोकसभा दोनों को स्थगित कर दिया गया। गुरुवार को बिना विपक्ष को संसद में अपनी मांगों को रखने का मौका दिए बिना।

अपमानजनक टिप्पणियों का दर्द केवल महिलाएं और शूद्र ही समझ सकते हैं : मौर्य

लखनऊ। (एजेंसी)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव स्वामी प्रसाद मौर्य ने बृहस्पतिवार को कहा कि धर्म की आड़ में उनके लिए की गई अपमानजनक टिप्पणियों का दर्द केवल महिलाएं और शूद्र ही समझ सकते हैं। श्रीरामचरितमानस पर टिप्पणी कर चर्चा में आये मौर्य ने महात्मा गांधी के साथ महिलाओं और 'शूद्र' के दर्द की तुलना की, जिन्होंने ट्रेन में अंग्रेजों द्वारा ''भारतीय कुत्ते हैं'' जैसी टिप्पणी का सामना किया था। मौर्य ने ट्वीट किया कि ''इंडियंस आर डाग'' कहकर अंग्रेजों ने जो अपमान व बदसलूकी ट्रेन में (महात्मा) गांधी जी के साथ किया था, वह दर्द उन्होंने ही समझा था।उसी प्रकार धर्म की आड़ में जो अपमानजनक टिप्पणियां महिलाओं व शुद्र समाज के लिये की जाती हैं उसका दर्द भी वहीं समझते हैं।''

गौरतलब है कि सपा के विधान परिषद के सदस्य स्वामी प्रसाद मौर्य ने 22 जनवरी को कहा था कि श्रीरामचरितमानस की कुछ पंक्तियों में जाति, वर्ण और वर्ग के आधार पर यदि समाज के किसी वर्ग का अपमान हुआ है तो वह निश्चित रूप से वह धर्म नहीं है, यह अधर्म है। मौर्य ने कहा था,''श्रीरामचरित मानस की कुछ पंक्तियों में तेली और कुम्हार जैसी जातियों के नामों का उल्लेख है, जो इन जातियों के लाखों लोगों की भावनाओं को आहत करती हैं।'' मौर्य ने मांग की थी कि पुस्तक के ऐसे हिस्से पर प्रतिबंध लगाया जाना चाहिए जो किसी की जाति या ऐसे किसी चिह्न के आधार पर किसी का अपमान करते हैं।

विपक्ष को अडानी का मुद्दा उठाने से रोकने कार्यवाही हुई स्थगित : जयराम

नई दिल्ली । विपक्ष ने गुरुवार को आरोप लगाया कि अडानी मुद्दे को उठाने से रोकने के लिए संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही स्थगित कर दी गई। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा कि संसद के दोनों सदनों को गुरुवार दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया क्योंकि सरकार ने एलआईसी एसबीआई और अन्य सार्वजनिक संस्थानों द्वारा जांच के लिए संयुक्त विपक्ष की मांग पर सहमति नहीं जताई जिसने हाल के दिनों में करोड़ों भारतीयों की बचत को खतरे में डालकर भारी मूल्य खो दिया है। दोनों सदनों की कार्यवाही गुरुवार को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ ने विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे सहित नौ सदस्यों के सस्पेंशन नोटिस को खारिज कर दिया। नोटिस को खारिज करते हुए सभापति ने कहा कि नोटिस स्वीकार किए जाने के ऑर्डर में नहीं हैं। साथ ही नियम-267 नोटिस की स्वीकृति और अस्वीकृति के बारे में 8 दिसंबर के फैसले का उल्लेख किया जिसे व्यवसाय को निलंबित करने के लिए लागू किया गया। बाद में सदस्यों ने फैसले पर आपत्ति जताई और राज्यसभा सभापति धनखड़ ने सदन को दोपहर 2 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। सदन की कार्यवाही से पहले विभिन्न समान विचारधारा वाले विपक्षी दलों के नेताओं ने मुलाकात की। उनमें कांग्रेस डीएमके एआईटीसी एसपी जेडी (यू) शिवसेना सीपीआई(एम) सीपीआई एनसीपी आईयूएमएल एनसी आप और केरल कांग्रेस शामिल रहे। संसद की संयुक्त बैठक में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के अभिभाषण पर सरकार धन्यवाद प्रस्ताव पेश कर सकती है।

त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए सभी पार्टियों ने कसी कमर

-पीएम मोदी शाह राहुल और ममता की तोबड़तोड़ रैलियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। भाजपा सूत्रों ने बताया कि त्रिपुरा विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा शुक्रवार को उनाकोटि जिले के कुमारघाट में चुनावी रैली को संबोधित करने और इसके बाद भाजपा उम्मीदवारों के पक्ष में वोट मांगने के लिए रोड शो करने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 13 फरवरी को अपनी यात्रा के दौरान पश्चिम और दक्षिण त्रिपुरा जिलों में कम से कम छह चुनावी रैलियों को संबोधित करने वाले हैं। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह अपनी त्रिपुरा यात्रा के तीन चरणों में 10 रैलियों और रोड शो को संबोधित करने वाले हैं। नेताओं ने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित भाजपा के शीर्ष नेता भाजपा उम्मीदवारों के लिए प्रचार अभियान का नेतृत्व करने वाले हैं। वहीं कांग्रेस पार्टी की ओर से कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे पूर्व पार्टी अध्यक्ष राहुल गांधी प्रियंका गांधी वाड्रा और कई शीर्ष नेता के प्रचार करने वाले है। जबकि सीपीएम महासचिव सीताराम येचुरी प्रकाश करात और माणिक सरकार सहित सीपीएम पोलित ब्यूरो के सदस्य वाम दलों के लिए प्रचार करने वाले हैं। तृणमूल कांग्रेस के त्रिपुरा राज्य प्रभारी राजीब बनर्जी ने कहा कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी सहित तृणमूल कांग्रेस के कई सितारे अगले सप्ताह से चुनाव प्रचार करने वाले हैं। शेड्यूल के मुताबिक ममता और टीएमसी के राष्ट्रीय महासचिव अभिषेक बनर्जी 6 और 9 फरवरी को कई रोड शो और चुनावी रैलियों में शामिल होने वाले है।

मुख्यमंत्री भगवंत मान का ऐलान- ट्रेनिंग के लिए सिंगापुर जाएंगे पंजाब के सरकारी टीचर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब के 36 सरकारी स्कूलों के शिक्षक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लेने के लिए 4 फरवरी को सिंगापुर के लिए रवाना होंगे। इस बात की जानकारी मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को एक मीडिया संबोधन में कहा है। उन्होंने बताया कि आप ने पिछले साल विधानसभा चुनाव से पहले राज्य की शिक्षा प्रणाली को बदलने की ÷गारंटी÷ दी थी। मान ने कहा कि चूंकि शिक्षक राष्ट्र निर्माता हैं जो शिक्षा के स्तर को ऊपर उठा सकते हैं, इसलिए यह गारंटी दी गई थी कि गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण सुनिश्चित करके उनके शिक्षण कौशल को उन्नत किया जाएगा। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि इस गारंटी के तहत 36 प्राचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए यात्रा करेंगे। एक आधिकारिक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि वे छह से 10 फरवरी तक सिंगापुर में पेशेवर शिक्षक प्रशिक्षण संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे। 36 प्रधानाध्यापक 11 फरवरी को लौटेंगे।

पंजाब सरकार 36 स्कूल प्रधानाध्यापकों को सिंगापुर भेजेगी

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित 36 स्कूलों के शिक्षक एक प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए चार फरवरी को सिंगापुर जाएंगे। मान ने कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) ने पिछले साल हुए विधानसभा चुनावों से पहले राज्य की शिक्षा प्रणाली में बदलाव लाने की गारंटी दी थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि शिक्षक राष्ट्र निर्माता होते हैं और वे शिक्षा के स्तर को उठा सकते हैं, इसलिए यह गारंटी दी गई थी कि उन्हें (शिक्षकों को) गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिलाकर उनके शिक्षण कौशल को बढ़ाया जाएगा।

शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए उठाया कदम

मान ने कहा कि इस गारंटी के तहत 36 प्रधानाचार्य प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए विदेश जाएंगे। एक सरकारी बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि वे सिंगापुर में छह से 10 फरवरी तक शिक्षकों के पेशेवर प्रशिक्षण संगोष्ठी में हिस्सा लेंगे। वे 11 फरवरी को लौटेंगे। मान ने कहा कि इस कदम से राज्य भर के हजारों विद्यार्थी लाभान्वित होंगे क्योंकि ये प्रधानाचार्य अपने सहकर्मियों और विद्यार्थियों के साथ अपने अनुभव साझा करेंगे। उन्होंने कहा कि इससे विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए शिक्षकों की विशेषज्ञता और पेशेवर दक्षता को और बढ़ाने में मदद मिलेगी।

दिसंबर 2023 तक पटरी पर दौड़ेगी देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन

-वंदे भारत ट्रेनों की तर्ज पर वंदे मेट्रो की सेवाएं शुरू होंगी

नई दिल्ली । (एजेंसी)। भारतीय रेलवे को देश की लाइफलाइन कहा जाता है। हर रोज बड़ी संख्या में लोग रेल से यात्रा करते हैं। रेलवे ट्रैक्स पर तमाम तरह की ट्रेनें दौड़ती हैं जिसमें वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन भी शामिल हैं। लोगों की यात्रा को और सुविधाजनक बनाने और लोगों का समय बचाने के लिए रेलवे अब कई और नई ट्रेनों को पटरी पर दौड़ाने की तैयारी में है। इन ट्रेनों में कई हाई स्पीड ट्रेनें शामिल हैं।

एक फरवरी को आम बजट पेश किया गया। इस बजट में रेलवे के नाम 2.41 लाख करोड़ रुपए आवंटित किए गए। इस बात की जानकारी रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी। रेल मंत्री ने बताया कि दिसंबर 2023 तक देश की पहली हाइड्रोजन ट्रेन पटरी पर दौड़ेगी। पहली हाइड्रोजन ट्रेन कालका-शिमला सर्किट में दौड़ेगी। बता दें कि पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर नॉर्दन रेलवे वर्कशॉप में हाइड्रोजन फ्यूल बेस्ड ट्रेन का प्रोटोटाइप तैयार कर रहा है। इसका परीक्षण हरियाणा के सोनीपत-जींद खंड पर किया जाएगा।

रेल मंत्री ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुलेट ट्रेन का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र सेक्टर में बुलेट ट्रेन का विकास कार्य पर फोकस रहेगा। मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड ट्रेन के लिए 25 किमी से ज्यादा का वायाडक्ट यानी पुल तैयार कर लिया गया है। गुजरात में परियोजना के तहत 25.28 किमी का वायाडक्ट पूरा हो गया है जिसमें वड़ोदरा के पास 5.7 किमी का निरंतर वायाडक्ट और विभिन्न स्थानों पर 19.58 किमी का निर्माण शामिल है। इसके अलावा गुजरात और डीएनएच के सभी 8 जिलों से गुजरने वाले ट्रैक के साथ-साथ निर्माण कार्य जोरों से शुरू हो गया है।

रेल मंत्री ने मीडिया से बातचीत में कहा कि पिछले 8 वर्षों में जो रेलवे में बदलाव किए गए हैं उससे प्रतिदिन 12 किलोमीटर पटरी बिछ रही है। उन्होंने बताया कि देश के 1275 रेलवे स्टेशनों के कायाकल्प का काम जारी है। रेल मंत्री ने बताया कि उनका टारगेट है कि साल में साढ़े चार हजार किलोमीटर नए रेलवे ट्रैक बिछाए जाएं।

भारतीय रेलवे निकट भविष्य में देश भर में चल रही वंदे भारत ट्रेनों की तर्ज पर वंदे मेट्रो की सेवाएं शुरू करेगा। संसद में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा केंद्रीय बजट-2023 पेश किए जाने के बाद रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इसकी घोषणा की। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेनों का एक मिनी वर्जन वंदे मेट्रो बड़े शहरों के आसपास रहने वाले लोगों के लिए अपने कार्यस्थल और घर के बीच आराम से यात्रा करने के लिए विकसित किया जाएगा। रेल मंत्रालय ने चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री और लखनऊ स्थित रिसर्च डिजाइन एंड स्टैंडर्ड ऑर्गनाइजेशन के महाप्रबंधकों को आठ कार वाली वंदे भारत ट्रेनों के रैक जल्द से जल्द उतारने का निर्देश दिया है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

क्रांति समय
Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सुड़ा-खुड़ा विकास योजना को सरकार की मंजूरी, विकास कार्यों पर लगा ब्रेक

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सुड़ा-खुड़ा की विकास योजना को पिछले डेढ़ साल से राज्य सरकार की मंजूरी नहीं मिलने से विकास कार्य ठप पड़े हैं। खासकर ड्रीम सिटी, एयरपोर्ट विस्तार समेत बड़े प्रोजेक्ट ठप पड़े हैं। 8 महानगरों की टीपी समेत योजनाओं को पूरा कर जीरो पेंडेंसी टारगेट देने की बात चल रही है। नगर पालिका आयुक्तों के साथ बैठक कर काम में तेजी लाने की बात कही जा रही है, लेकिन दूसरी ओर सूरत की दो अहम अथॉरिटी सुड़ा और खुड़ा की विकास योजनाओं को पिछले एक साल से सरकार ने मंजूरी नहीं दी है. आधा साल।

सूडान की विकास योजना-2035 जुलाई 2021 से जबकि खुदा की विकास योजना गत फरवरी से सरकार के पास लंबित है। सरकार की मंजूरी मिले तो शहर के विकास को और गति मिलेगी। दोनों प्राधिकरणों के आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि सरकार द्वारा विकास योजना स्वीकृत करने में देरी के कारण शहर का समग्र विकास बाधित हो रहा है.

सुड़ाना आउटर रिंग रोड सूरत अर्बन देव के आसपास टीपी योजना नहीं बन सकी । (सूडा) की विकास योजना में, जिसे सरकार ने अनुच्छेद-17 के तहत मंजूरी दी थी, योजना में गलतियों को बुलेट ट्रेन, 27 किलोमीटर लंबे और 1.5 किलोमीटर चौड़े औद्योगिक गलियारे में जोड़ा गया था। नगर निगम क्षेत्र में प्रस्तावित संशोधनों में धारा-19 के तहत नगर पालिका की महत्वपूर्ण परियोजनाओं, थर्मल ट्रीटमेंट, रिवर फ्रंट परियोजना के जोन संशोधन की स्वीकृति मांगी गई थी. बाहरी रिंग रोड के आसपास टीपी योजना नहीं बन सकी। पलसाना कॉरिडोर, हजीरा इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, रिवरफ्रंट का जोन बदला गया है। नदी के चारों ओर 15 से 17 किमी. परिसर को नक्शे में दिखाया गया है लेकिन स्वीकृत नहीं है। रिवर फ्रंट आगे बढ़ा तो वर्ल्ड बैंक भी कर्ज दे सकता है।

खुड़ा योजना में एयरपोर्ट, सड़क नेटवर्क सहित कार्य, खजोड़ विकास प्राधिकरण (खुड़ा) की विकास योजना में सड़क नेटवर्क, जोन एवं विकास के अनुसार निर्माण योजनाओं को मंजूरी दी जा सकती है, लेकिन फिर भी अनुमति नहीं मिल रही है. रेजिडेंट जोन, कमर्शियल जोन, इंडस्ट्रियल जोन और रिजर्व प्लॉट कहां रखें।उसकी टी.पी आदि फंसे हुए हैं। विकास योजना को मंजूरी मिलने पर एयरपोर्ट विस्तार के लिए मांगी गई जगह भी जारी की जा सकती है।

आंगडिया फर्म के कर्मी से 27 लाख लूटकर लूटेरे फरार

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

अहमदाबाद, शहर में फिर से एक बार लूट की घटना से सुरक्षा को लेकर पुलिस के सामने सवाल खड़े हो रहे है। वाडज इलाके में अमृत आंगडिया फर्म के कर्मी से 27 लाख लूटकर कर लूटेरे फरार हो गए। पुलिस ने सीसीटीवी फूटेज के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरु की है।

अहमदाबाद शहर के वाडज इलाके में रतन कॉम्प्लेक्स निकट आंगडिया फर्म का कर्मचारी अमृत पटेल सोने-चांदी व नकदी भरा बैग लेकर गुजर रहा है। इस दौरान बाइक पर आए दो लूटेरों ने कर्मचारी के हाथ से बैग छीनकर फरार हो गए। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर जांच शुरु की है। पिछले 12 वर्ष से देवाभाई ठाकोरआंगडिया फर्म में काम कर रहे है। देवाभाई सोने चांदी के गहने व नकदी से भरा बैग लेकर माणेकचौक जा रहे थे। देवाभाई वाडज इलाके में देवाभाई अपने एक्टिवा से गुजर रहे थे। इस दौरान बाइक पर सवार दो शख्सों ने देवाभाई के हाथ बैग छीनकर फरार हो गए। देवाभाई ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। पुलिस को जानकारी मिलते ही क्राइम ब्रांच की टीम द्वारा अलग अळग टीम बनाकर सीसीटीवी फूटेज के आधार पर लूटेरों की खोजीन शुरू कर दी है। गौरतलब है कि आज से 10 दिन पूर्व शहर के जमालपुर इलाके में भी आंगडिया फर्म के कर्मचारी से 26 लाख की लूट की घटना सामने आई थी। लूट के आरोपी अभी भी पुलिस की पकड़ से बाहर है। इस घटना के 10 दिन बाद फिर एक बार लूट की वारदात से पुलिस की कार्रवाई पर सवाल उठ रहे है।

स्कूल बस हादसे में 4 बच्चे मामूली रूप से जख्मी बड़ी जानहानि टली

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

आणंद, बोरसद तहसील के भादरण निकट आज सुबह स्कूल बस दुर्घटनाग्रस्त हो गई। बच्चों को ले जा रही स्कूल बस पलट जाने से बच्चों की चिल्लाने की आवाज से भीड़ जमा हो गई। हालांकि इस हादसे में 4 बच्चें सामान्य रूप से घायल होने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया।

प्राप्त जानकारी के मुताबिक आणंद जिले के बोरसद तहसील के भादरण निकट बोरसद एक निजी स्कूल बस बच्चों को लेकर स्कूल की और जा रही थी। भादरण रोड पर बस चालक का स्टीयरींग पर से काबू गंवा देने पर बस अचानक पलटकर खेत में जा गिरी। अचानक हुए हादसे से स्कूली बच्चों की चिल्लाने की आवाज से रोड पर लोग जमा हो गए। बस पलट जाने की घटना में 4 बच्चों को मामूली चोंटे आई है। घायल बच्चों को स्थानिकों द्वारा अस्पताल ले जाया।

दुर्घटना की जानकारी मिलते ही बच्चों के अभिवावक स्कूल संचालक घटनास्थल पर पहुंच गए। हालांकि बड़ी जानहानि टलने से लोंगों ने राहत की सांस ली। प्राथमिक जानकारी के मुताबिक बस चालक ओवर स्पीड टर्न लेने से यह हादसा हुआ।

घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर सभी स्थिति जायजा लिया और बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर कानूनी कार्रवाई शुरुकी है।

केन्द्रीय बजट अमृत काल को अमृत बनानेवाला: मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल

क्रांति समय, सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गांधीनगर, मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल ने केन्द्र सरकार के वित्त मंत्री निर्मला सीतारमन द्वारा सदन में पेश किए वर्ष 2023-24 के केन्द्रीय बजट को देश के अमृतकाल का रोडमेप बतानेवाला बजट बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि बजट में हर वर्ग को ध्यान में रखा गया है। इस बजट से गुजरात को अधिक फायदा होगा। केन्द्र सरकार के बजट से प्रेरणा लेकर आनेवाले दिनों में गुजरात का बजट पेश किया जाएगा।

मुख्यमंत्री भूपेन्द्र ने कहा कि भारत विश्व की पांचवी आर्थिक महासत्ता बन चुका है। भारत को विश्वगुरु आत्मनिर्भर एवं सस्टेनेबल डेवलोपमेन्ट के विकास से आगे बढाने का यह बजट है। बजट में सामान्य से लेकर गरीब वंचित शोषित किसान महिला युवा व वरिष्ठ नागरिकों को समाहित किया है। यह बजट अमृतकाल को अमृत बनाने का बजट है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बजट पेश किया गया। बजट में मुख्य तीन बातों पर ध्यान रखा गया है। आर्थिक विकास को गति देना फिस्कल मैनेजमेन्ट एवं समाज के हर वर्ग को ध्यान में रखकर विकासलक्षी बजट है। बजट से गुजरात को काफी फायदा होगा।

गुजरात में गिफ्ट सिटी लेब्रोन डायमंड पशुपालन से लेकर डेयरी उद्योग को फायदा होगा। गन्ना किसान व सरकारी सुगर मंडली को 10 हजार का फायदा होगा।